हे नाथ!
मैं आपको

दिल्ली न्यूज़ 7
सबके साथ सबकी बात
बुधवार, 8 अप्रैल, 2020

कोरोना से भी खतरनाक हो सकता है जल का संकट : रमेश गोयल

नई दिल्ली (संवाददाता)।

गत् 22 मार्च को विश्व जल दिवस पर जल के सामाजिक सरोकार के विषय में बात करते हुए पर्यावरण प्रेरणा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत विकास परिषद् के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री पर्यावरण जल स्टार रमेश गोयल ने कहा कि विश्वव्यापी जल संकट व भारत में बढ़ती जा रही पानी की कमी से आप भली-भाँति परिचित हैं और यह जानते हुए भी कि जल के बिना जीवन सम्भव नहीं है। अधिकांश लोग जल बर्बाद करते हैं, विशेषकर जहां पानी आसानी से उपलब्ध है।

जल कमी की यदि स्थिति यूं ही बढ़ती रही तो आप विश्वव्यापी रोग कोरोना से बचाव की तरह घर पर रहकर अपना बचाव नहीं कर सकेंगे

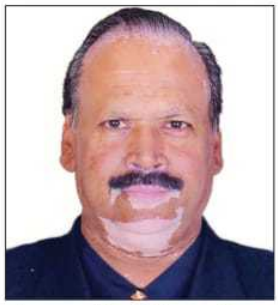

और बाहर भी पानी मिलना मुश्किल ही नहीं, असम्भव हो जायेगा। पानी किसी मिल या फैक्टरी में नहीं बनाया जा सकता।

श्री गोयल ने कहा कि केपटाउन (साउथ अफ्रीका की राजधानी) में पानी पर राशन कार्ड लागू होना, ऑस्ट्रेलिया में पानी कमी के कारण 5 हजार ऊँटों की गोली मारकर हत्या कर देना बहुत बड़ी चेतावनी है। लातूर और चेन्नई में रेल टैंकरों से पानी सप्लाई करने जैसी नौबत कब आपके शहर में आ जायेगी, आप चिंतन नहीं कर रहे और जब ऐसी स्थिति आ जायेगी, तब आप कैसे होंगे और क्या करेंगे। जरा कल्पना अवश्य करें और उस कल्पना को ध्यान में रखते हुए जल का प्रयोग करें ताकि आपको और भावी पीढ़ी को जल की कमी के कारण असमय तथा अकारण जीवन से हाथ धोना (यानि मरना) न पड़े। कोरोना से घर पर रहकर बच सकते हैं, पर जल की कमी से नहीं यह अवश्य ध्यान में रखें।

श्री गोयल ने आग्रहपूर्वक कहा कि बार-बार हाथ धोने का यह अर्थ न लें कि इसी काम पर लगे रहें। हाथ यदि गन्दे नहीं हुए और अपने कुछ किया ही नहीं तो साफ हाथों को धोने की अपील नहीं की जा रही है, जल का भी ध्यान रखें। उन्होंने देशवासियों से आवाहन किया कि अपने व अपने परिवार के साथ-साथ समाज और देश हित का सदा और हर विषय में ध्यान अवश्य रखें।

पुरानी किताबें बेच कर पढ़ने वाला रमेश गोयल बन गया जल स्टार

पल पल न्यूज: सिरसा, 6 मई। वर्ष 2008 में 60 वर्ष की आयु में जल संरक्षण जागरुकता अभियान आरम्भ करने वाले जल स्टार रमेश गोयल की भारत सरकार जलशक्ति मंत्रालय द्वारा 2020 में 'वाटर हीरो अवार्ड' दिए जाने से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनी है। संघर्षशील कार्यकर्ता रमेश गोयल ने 1960-63 में पूरानी किताबें खरीद बेचकर अपनी शिक्षा के खर्च की व्यवस्था की। वहीं दसवीं में पढ़ते हुए (1963-64) में आठवीं श्रेणी के छात्रों को ट्यूशन पढ़ाई। 1965 से 1970 के बीच पारिवारिक आय बढ़ाने के दृष्टिकोण से कलैण्डर व एल्युमिनियम नाम पट्टिकाओं के बुकिंग एजेन्ट के रूप में भी काम किया तथा लाटरी टिकटें भी बेची। दिन में कोर्ट में ओपन टाइपिंग व अन्य कामों के साथ साथ 1968-69 में नेताजी सुभाष बोस प्रतिमा के लिए चन्दा मांगते व शाम को सांध्यकालीन कालेज में जाते। पंजाब विश्वविद्यालय से 1970 में बी.ए., पास किया व देहली विश्वविद्यालय से पत्राचार पाठ्यक्रम द्वारा 1972 में बी. काम. प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष दोनों की परीक्षाएं एक साथ दी और 1973 में अन्तिम वर्ष पास किया। 1977 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से एलएल.बी. की परीक्षा पास की। 6 मई 2008 को विवेकानन्द वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिरसा से जल बचत अभियान आरम्भ करने वाले रमेश गोयल अब राष्ट्रीय स्तर पर किसी परिचय के मोहताज नहीं है। 1970 से आयकर व्यवसायी के रुप में कार्यरत व जल स्टार के नाम से विख्यात रमेश गोयल अब तक देश भर में 400 से अधिक शिक्षण संस्थाओं व अन्य कार्यक्रमों में जा जा कर 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों व जनता को प्रत्यक्ष रूप से तथा टीवी, दूरदर्शन, रेडियो व समाचार पत्रों के माध्यम से लगभग एक करोड़ लोगों को जल बचत हेतु प्रेरित कर चुके हैं और यही अब जीवन का लक्ष्य एवं मिशन है। 'बिन पानी सब सून' पुस्तक का विमोचन 8 मई, 2010 को हरियाणा के तत्कालीन राज्यपाल जगननाथ पहाड़िया द्वारा किया गया जिसकी 6000 प्रतियां प्रकाशित हुई। अप्रैल 2012 में लिखित 'जल चालीसा' का विमोचन हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमन्त्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा किया गया जिसकी अब तक 60 हजार प्रतियां प्रकाशित व निशुल्क वितरित हो चुकी है। वीडियो का विमोचन उड़ीसा के राज्यपाल प्रो.गणेशी लाल ने सितम्बर 2018 में किया था। केन्द्र सरकार की पत्रिका 'जल चर्चा' सहित अनेक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित, डीडी न्यूज व डीडी किसान द्वारा

6 मई 2008 से शुरू किया था जल बचत अभियान

अगस्त 2015 में विशेष चर्चा की गई थी। अब तक 3.4 लाख विज्ञासियां विद्यार्थियों व संस्थाओं के माध्यम से घर/परिवारों में पहुंचा चुके हैं।

जल संरक्षण हेतु 2020 में रचित 108 चौपाईयों वाला जल मनका 'बचाना होगा निश्चित जल' प्रकाशनाधीन है। जल संरक्षण हेतु विस्तृत जानकारी सहित पुस्तक क्यों और कैसे बचायें जलः प्रकाशनाधीन है। दिल्ली विश्वविद्यालय, चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय, चौ. चरणसिंह विश्वविद्यालय सहित अनेक संस्थाओं के जल संरक्षण पर राष्ट्रीय अधिवेशनों में मुख्य वक्ता रहे हैं। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्राद्यौगिकी विभाग द्वारा आयाजित वैबनार कार्यक्रम, जिसका उद्घाटन प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था, सहित 2020-21 में देश भर के 30 से अधिक वैबनार कार्यक्रमों में मुख्य वक्ता रहे हैं। 2010 में विवेकानन्द वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अरनियांवाली से आरम्भ करते हुए जेसीडी विद्यापीठ सहित अनेक स्थानों पर वर्षा जल सग्रहण सिस्टम लगवाये हैं।

राष्ट्रीय सामाजिक संस्था भारत विकास परिषद्, जिसकी भारत में 1700 शाखाएं हैं, में अप्रैल 2006 से मार्च 2020 तक केन्द्रीय टीम में रहे और राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण तक दायित्व निभाया हैं। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था 'पर्यावरण प्रेरणा', जिसकी 9 प्रान्तों में शाखाएं हैं, के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।

प्रतिष्ठित आयकर व्यवसायी तथा वरिष्ठ नागरिक जिला प्रशासन व ''ह.प्रा. हिन्दी साहित्य सम्मेलन'' के अतिरिक्त ''जल स्टार अवार्ड'', ''डायमंड आफ इंडिया अवार्ड'', सोशल जस्टिस बैस्ट मैन अवार्ड', जैम आफ इंडिया अवार्ड, श्री चित्रगुप्त सम्मान 2017, राष्ट्र रत्न अवार्ड-2018, आउट स्टैंडिंग अवार्ड 2018 तथा सारथी जल योद्धा सम्मान 2018 व अग्र रत्न अवार्ड 2018 से सम्मानित तथा भारत रत्न डा. अब्दुल कलाम राष्ट्र निर्माण अवार्ड 2018 के लिए चयनित, सिरसा गौरव (सित. 2019) से सम्मानित। जलशक्ति मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा मई 2020 में ''जल रक्षक'' घोषित किया गया।

विद्यालय स्तर पर कभी भी रफ कापी नहीं खरीदी बल्कि परीक्षा के तुरन्त बाद कापियों में से बचे हुए साफ कागजों को निकालकर रफ कापी के रूप में काम में लेते रहे और काफी अच्छी बन पड़े तो सामान्य कापी के रूप में भी प्रयोग किया। कापियों के लिखे हुए पृष्ठों से छुट्टियों में स्वयं लेही बनाकर लिफाफे बनाते व बेचते थे। कागज बचेगा,-वृक्ष बचेगा का 60 वर्ष से अनुपालन कर रहे गोयल ने व्यवसाय में आने के बाद भी अब तक साफ कागज को कभी भी रफ कागज के रूप में काम नहीं लिया। अब तक सैकड़ों रिम कागज बचाया है। अखबारों में आने वाले एक ओर छपे साफ इश्तिहारों व डाक में आये लिफाफों को अब भी रफ काम में प्रयोग करते हैं। सम्पन्नता के बाद भी अपने बच्चों को एक ओर छपे कागजों से स्वयं रफ कापियां बनाकर देते थे।

रमेश गोयल ने बाबा रामदेव को भेंट किया जल चालीसा

पल पल न्यूजः सिरसा, 22 फरवरी। सिरसा निवासी राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जल स्टार व भारत सरकार जल शक्ति मन्त्रालय द्वारा सम्मानित वाटर हीरो रमेश गोयल ने पतंजली योगपीठ के संस्थापक व योग के क्षेत्र में विश्व भर में भारत का ध्वज फहराने वाले बाबा रामदेव व उनके अनन्य साथी एवं आयुर्वेद अनुसंधान को समर्पित आचार्य बालकृष्ण को कांस्टीच्यूशन क्लब नई दिल्ली में जल चालीसा की प्रति भेंट की। ये दोनों महानुभाव कोरोना की दवाई, जो पतंजली रिसर्च इंस्टिच्यूट द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान में बनाई गई है और जिसे विश्व स्वास्थय संगठन द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, की लांचिंग के लिए देहली आए थे। केन्द्रीय मन्त्री नितिन गडकरी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। उल्लेखनीय है कि गोयल जलशक्ति मन्त्रालय की मासिक पत्रिका 'जल चर्चा' के दिसम्बर 2019 के अंक में उनके कार्यों पर आलेख प्रकाशित किया गया था तथा बाहरी बैक टाइटल पर उनके द्वारा रचित जल चालीसा प्रकाशित की गई थी। जल चालीसा की अब तक 60 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं और लगभग 10 लाख से अधिक लोगों को सोशल मिडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी हैं। जलशक्ति मन्त्रालय ने भी इसे जल संरक्षण का पूर्ण सन्देश माना है। राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुकी जल चालीसा को अनेक समाचार पत्र व पत्रिकाओं ने भी प्रकाशित किया है। अन्तर्राष्ट्रीय न्यूज चैनल डीडी न्यूज तथा डीडी किसान अगस्त 2015 में इस पर विशेष फीचर प्रसारित कर चुके हैं। चालीसा के विडियो सन्देश का विमोचन उड़ीसा के राज्यपाल गणेशी लाल ने किया था।

REQUIRED

5 SALESMAN

5 DRIVER

SK TRADERS

Sirsa

Contact No.

9215843816

जल से नहीं, श्रद्धा व विश्वास से करें भगवान शिव को प्रसन्न

पल पल न्यूज: सिरसा, 16 जुलाई। मशीनीकरण व आधुनिकीकरण से प्रदूषण व तापमान बढ़ रहा है जिससे जलवायु परिवर्तन हो रहा है। इसी कारण वर्षा अनियमित हो रही है। कम होने के कारण नदियों में जल घटता जा रहा है। नदियों में पानी की कमी के कारण भूजल दोहन बढ़ता जा रहा है जिससे भूजल स्तर 200 से 400 फीट तक नीचे चला गया है। अनेक बार अति वर्षा बाढ़ व विनाश का कारण भी बनती है। श्रावण मास और उसमें शिवरात्रि पर्व पर जल का विशेष महत्व है क्योंकि पूरे मास शिवजी का जलाभिषेक किया जाता है। इतिहास साक्षी है कि शिवालय नदी या तालाब के किनारे ही स्थित होते थे और भगवान शिव को अर्पित जल नदी तालाब में चला जाता था जबकि अब वह जल, जिसे भक्तजन प्रसाद रुप में ग्रहण भी करते है, सीवर में चला जाता है। पूरे देश में करोड़ों लीटर प्रसाद रूपी पानी सीवर में चला जाता है। पर्यावरण प्रेरणा के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा भारत विकास परिषद के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री पर्यावरण जल स्टार रमेश गोयल ने शिवरात्रि की अग्रिम शुभकामनाओं के साथ शिव भक्तों से अपील की है कि पानी की कमी को ध्यान में रखते हुए

श्रावण मास में प्रतिदिन और शिवरात्रि पर्व पर विशेष रूप से शिवलिंग पर बाल्टियां भर-भर कर नहीं बल्कि केवल लोटा भर जल ही चढ़ाएं। अनेक कथाएं प्रचलित हैं कि महादेव मनोभाव व श्रद्धा से ही प्रसन्न होते हैं, जल की अधिक मात्रा से नहीं। अमरनाथ एक उदाहरण है जहां पर जल का प्रयोग होता ही नहीं है। कविता की इन पंक्तियों को ध्यान में रखकर पूजा करें कि **पूजा और पूजापा प्रभुवर इसी पूजारिन को समझें।**

दान दक्षिणा और न्यौछावर इसी भिखारिन को समझें।

मन्दिरों के प्रबन्धकों को वाटर हार्वेस्टिंग या रिचार्जर लगवाने चाहिए ताकि भक्तों द्वारा शिवलिंग पर चढ़ाया गया शुद्ध जल सीवर में ना बहकर सीधा जमीन में चला जाए जो भूजल स्तर सुधारने में सहायक हो। शिव भक्तों से आग्रह है कि जल की बढ़ती कमी को ध्यान में रखते हुए चिन्तन करें और अन्धश्रद्धा न लें व कम जल का प्रयोग करें। शिवालयों को जल संरक्षण सिस्टम के साथ जोड़े। शिवरात्रि पर अखंड 108 जलधारा के आयोजन न करें या एक ही धारा चलायें क्योंकि इससे एक दिन में एक एक मन्दिर में हजारों लीटर शुद्ध जल सीवर में चला जाता है और पूरे देश में लाखों मन्दिरों में सैकड़ों करोड़ लीटर पानी, वह भी शिव प्रसाद, वर्तमान परिस्थितियों में सीवर में बहा देना बुद्धिमत्ता नहीं कही जा सकती है। आयोजन के समय कलश पूजा यानी वरुण देव, जो जल अधिपति (देवता) हैं, की पूजा करते हैं और फिर उसे सीवर में बहाते हैं। उन्होंने शिव भक्तों से क्षमा याचना के साथ निवेदन किया है कि कट्टरता नहीं विवेकपूर्ण चिंतन करें और स्वयं, परिवार, समाज व देश के भविष्य का भी ध्यान रखें।

बिन पानी सब सून

पल पल न्यूज: सिरसा, 18 जून। गत दिनों सिरसा के गांव मोचीवाली में पानी की सप्लाई में कमी के कारण ग्रामीणों ने रोड़ जाम कर दिया था। सिरसा शहर के जलघर में नहर बन्दी के कारण पानी की कमी हुई और पेयजल सप्लाई का समय घटाना पड़ा जिसके कारण लोगों ने असहजता महसूस की परन्तु इस अवधि में और ऐसी स्थिति में भी अनेक लोग पानी बर्बाद करते रहे। पाइप लगाकर फर्श धोते रहे व छिड़काव करते रहे और विशेष बात यह रही कि जनता ही नहीं अधिकारियों की गाड़ियां भी पाइप लगाकर धुलती रही। जल की इस अस्थायी कमी व पानी बर्बादी पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जल स्टार रमेश गोयल ने कहा है कि जल की निरन्तर बढ़ती कमी के मध्यनजर हर व्यक्ति को पानी बर्बाद न करने का संकल्प करना होगा। यद्यपि मानसून आने वाला है और जगह जगह पानी भरा होने के कारण लोगों को अन्य समस्याओं का भी सामना करना होगा परन्तु वर्षा जल संग्रहण के विषय में आवश्यक कार्य नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमन्त्री मनोहर लाल द्वारा एक हजार वर्षाजल संग्रहण सिस्टम लगवाने की घोषणा सराहनीय है परन्तु अधिकारी उसे कितनी संजीदगी से करते हैं, परिणाम उस पर निर्भर करता है। मेरा जल मेरी विरासत योजना से भूजल दोहन में कमी आएगी परन्तु जल की कमी का उपाय केवल और केवल वर्षा जल संग्रहण सिस्टम व वर्षा जल भंडारन ही है क्योंकि प्रकृति प्रदत जल को किसी मिल या फैक्ट्री में नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने जनसामान्य से अपील की है कि भीषण गर्मी के इस समय में पानी की आवश्यकता और अधिक होने के कारण पानी की एक बूंद भी बर्बाद न करें और कोई दूसरा करता हो तो उसे भी समझाने का प्रयास करें वरना लातुर और चेन्नई की तरह पानी रेल टैंकरों से मंगाना पड़ेगा और फिर भी न माने तो केपटाउन (साउथ अफ्रीका) की भांति पानी राशन में मिलने लगेगा।

गिरते भूजल स्तर को देखते हुए न करे धान की खेती: गोयल

पल पल न्यूजः सिरसा, 6 मई। गिरते भूजल स्तर के मध्यनजर हरियाणा सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय, कि करनाल, कैथल, जींद, कुरूक्षेत्र, अम्बाला, यमुनानगर व सोनीपत जिलों में सरकारी भूमि पट्टे पर लेकर किसान धान की खेती नहीं कर पायेंगे, का जल स्टार रमेश गोयल ने अभिनन्दन करते हुए हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त किया है। गोयल ने बताया कि धान, गन्ना व तम्बाकू की खेती में अधिकतम पानी की आवश्यकता होती है और अधिक दोहन के कारण भूजल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। उन्होंने धान की खेती करने वाले किसान भाईयों से अपील की है कि वे धान की रोपाई नई मशीनी तकनीक से करें जिसमें पानी की बहुत बचत होती है। इसी प्रकार गन्ना की खेती की बजाय तिलहन-दलहन की खेती को प्रोत्साहित करें जिससे उन्हें भी लाभ होगा और पानी की बढ़ती कमी के कारण गिरता भूजल स्तर भी रूक पायेगा।

स्वास्थ्य की दृष्टी से भी चीनी का कम प्रयोग ही श्रेष्ठकर है। उन्होंने केन्द्र सरकार से तम्बाकू की खेती पर प्रतिबन्ध लगाने की मांग करते हुए कहा कि तम्बाकू जनित बीमारियों से बचने के उपायों व तम्बाकू प्रयोग न करने के विज्ञापनों पर ही सरकार अरबों रूपये खर्च कर देती है और उनके उपचार के लिए हजारों करोड़ रूपये का बजट होता है। तम्बाकू पर पूर्ण प्रतिबन्ध से जन धन दोनों की बचत होगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा के 119 जल ब्लाकों में से अधिकतर ब्लाक डार्क जोन में जा चुके हैं यानि खतरनाक स्थिति में हैं और भूजल स्तर निरन्तर गिरते जाने के कारण अन्य ब्लाक भी उसी दिशा में बढ़ रहे हैं। भूजल कम से कम दोहन करने यानि जल बर्बाद न करने की अपील करते हुए गोयल ने सरकार से अधिकाधिक वर्षा जल संग्रहण सिस्टम लगवाने का भी अनुरोध किया और कहा कि जल की कमी को दूर करने का यही एक मात्र साधन है।

भूजल स्तर और धान की खेती

गिरते भूजल स्तर के मद्देनजर हरियाणा सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय कि करनाल, कैथल, जींद, कुरूक्षेत्र, अम्बाला, यमुनानगर व सोनीपत जिलों में सरकारी भूमि पट्टे पर लेकर किसान धान की खेती नहीं कर पायेंगे, का जल स्टार रमेश गोयल ने अभिनन्दन करते हुए हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त किया है। श्री गोयल ने बताया कि धान, गन्ना व तम्बाकू की खेती में अधिकतम पानी की आवश्यकता होती है और अधिक दोहन के कारण भूजल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। उन्होंने धान की खेती करने वाले किसान भाईयों से अपील की है कि वे धान की रोपाई नई मशीनी तकनीक से करें जिसमें पानी की बहुत बचत होती है। इसी प्रकार गन्ना की खेती की बजाय तिलहन-दलहन की खेती को प्रोत्साहित करें जिससे उन्हें भी लाभ होगा और पानी की बढ़ती कमी के कारण गिरता भूजल स्तर भी रूक पायेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी चीनी का कम प्रयोग ही श्रेष्ठकर है। उन्होंने केन्द्र सरकार से तम्बाकू की खेती पर प्रतिबन्ध लगाने की मांग करते हुए कहा कि तम्बाकू जनित बीमारियों से बचने के उपायों व तम्बाकू प्रयोग न करने के विज्ञापनों पर ही सरकार अरबों रूपये खर्च कर देती है और उनके उपचार के लिए हजारों करोड़ रूपये का बजट होता है। तम्बाकू पर पूर्ण प्रतिबन्ध से जन धन दोनों की बचत होगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा के 119 जल ब्लाकों में से अधिकतर ब्लाक डार्क जोन में जा चुके हैं यानि खतरनाक स्थिति में हैं और भूजल स्तर निरन्तर गिरते जाने के कारण अन्य ब्लाक भी उसी दिशा में बढ़ रहे हैं। भूजल कम से कम दोहन करने यानि जल बर्बाद न करने की अपील करते हुए श्री गोयल ने सरकार से अधिकाधिक वर्षा जल संग्रहण सिस्टम लगवाने का भी अनुरोध किया और कहा कि जल की कमी को दूर करने का यही एक मात्र साधन है।

रमेश गोयल, पर्यावरणविद व जल स्टार

जल चालीसा

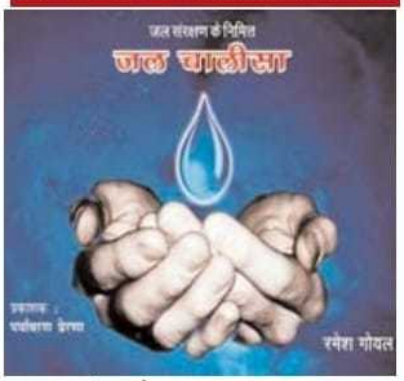

जल मंदिर, जल देवता, जल पूजा
जल ध्यान।
जीवन का पर्याय जल, सभी सुखों
की खान।।
जल की महिमा क्या कहें, जाने
सकल जहान।
बूंद-बूंद बहुमूल्य है, दें पूरा सम्मान।।

****

जय जलदेव सकल सुखदाता,
मात पिता भ्राता सम त्रास्ता।
सागर जल में विष्णु बिराजे,
शंभु शीश गंगा जल साजे।
इंद्र देव है जल बरसाता,
वरुणदेव जलपति कहलाता।
रामायण की सरयू मैया,
कालिंदी का कृष्ण कन्हैया।
गंगा यमुना नाम धरे जल,
जन्म-जन्म के पाप हरे जल।
ऋषिकेश है, हरिद्वार है,
जल ही काशी मोक्ष द्वार है।
राम नाम की मीठी बानी,
नदिया तट पर केवट जानी।
माता भूमि पिता है पानी,
यही कह रही है गुरबानी।
जन जन हेतु नीर ले आईं,
नदियां तब माता कहलाईं।
सूर्य देव को अर्पण जल से,
पितरों का भी तर्पण जल से।
चाहे हवन करें या पूजा,
पानी के सम और न दूजा।
चाहे नभ हो, या हो जल-थल,
जीव-जंतु की जान सदा जल।
बूंद-बूंद से भरता गागर,
गागर से बन जाता सागर।
नीर क्षीर मधु खिलता तन-मन,
नीर बिना नीरस है जीवन।

नदी सरोवर जब भर जाए,
लहरे खेती मन हरषाए।
तीन भाग जल काया भीतर,
फिर भी चाहिए पानी दिन भर।
तीरथ व्रत निष्फल हो जाएं,
समुचित जल जब हम ना पाएं।
जल बिन कैसे बने रसोई,
भोजन कैसे खाये कोई।
नदियों में जब ना होगा जल,
खाली होंगे सब के ही नल।
घटता भू जल सूखी नदियां,
जाने तो अच्छी हो दुनिया।
पाइप से हम फर्श न धोएं,
गाड़ी पर हम जल ना खोएं।
टूंटी कभी न खुल्ली छोड़ें,
व्यर्थ बहे झटपट दौड़ें।
बिन मतलब छिड़काव करें ना,
जल का व्यर्थ बहाव करें ना।
जल की सोचें, कल की सोचें,
जीवन के पल-पल की सोचें।
बड़ी भूल है भूजल दोहन,
यही बताता है भूकम्पन।
कम वर्षा है अति तड़पाती,
बिन पानी खेती जल जाती।
वर्षा जल एकत्र करेंगे,
इसी बात का ध्यान धरेंगे।
बर्तन मांजें वस्त्र खंगालें,
उस जल को बेकार न डालें।
पौधे सींचें आंगन धोलें,
कण-कण में जीवन रस घोलें।
जीवन जीवाधार सदा जल,
कुदरत का उपहार सदा जल।
धन संचय तो करते हैं सब,
जल-संचय भी हम कर लें अब।
हम सब मिल संकल्प करेंगे,
पानी कभी न नष्ट करेंगे।
सोचें जल बर्बादी का हल,
ताकि न आए संकट का कल।
सुनलें जरा नदी की कल कल,
उसमें कभी नहीं डालें मल।
जीवन का अनमोल रतन जल,
जैसे बचे बचाएं हर पल।
जल से जीवन, जीवन ही जल,
समझें जब यह तभी बचे जल।
हरे-भरे हम पेड़ लगाएं,
उमड़-घुमड़ घन बरखा लाएं।
पेड़ों के बिन मेघ ना बरसें,
लगें पेड़ तो फिर [illegible]।
हम सुधरेंगे [illegible]
बूंद-बूंद से घ[illegible]
जन जन हमें जगाना होगा,
जल सब तरह बचाना होगा।

****

कूएं नदियां बावड़ी, जब लौं जल भरपूर।
तब लौं जीवन सुखभरा, बरसे चहुं
दिस नूर।।
जल बचाव अभियान की, मन में
लिए उमंग।
आओ सब मिलकर चलें, 'रमेश
गोयल' संग।।

पर्यावरणविद् व जल स्टार
रमेश गोयल

र गुड़गांव से प्रकाशित। 0124-4210130, 9818957999। कार्यकारी संपादक : समीर बंसल

थैली छोड़ो, थैला पकड़ो अभियान योग साधकों को संस्था ने बांटे थैले

सिरसा | पर्यावरण प्रेरणा जो पौधारोपण व वृक्ष रक्षण, जल-ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण की रोकथाम, प्लास्ट्रिक मुक्त भारत व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था द्वारा मिशन-व्यर्थ का सदुपयोग अधीन थैली छोड़ो, थैला पकड़ो अभियान के अंतगर्त भादरा तालाब पार्क सिरसा में बैंक से सेवा निवृत प्रबन्धक व योगाचार्य हरदयाल बेरी व उनकी धर्मपत्नी लछमी बेरी की ओर से चलाई जा रही योग कक्षाओं में साधकों को थैले वितरित किए गए। संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश गोयल ने कैमिकल को प्लास्टिक निर्माण का आधार बताते हुए उससे होने वाली हानियों के विषय में जानकारी दी त। संस्था थैला बनवाने के लिए कई महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करवा रही हैं। कपड़ा व्यापारी भी बचे हुए छोटे-छोटे कटपीस थैला बनाने के लिए संस्था को निशुल्क उपलब्ध करवा रहे हैं।

भागवत कथा में समझाया पानी का महत्व

भास्कर न्यूज | सिरसा

राम कॉलोनी सिरसा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में पर्यावरण प्रेरणा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भारत विकास परिषद के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री पर्यावरण जल स्टार रमेश गोयल ने उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण और पर्यावरण के विषय में बताते हुए कहा कि हम जो पानी बर्बाद कर रहे हैं । उसके कारण ऐसी स्थिति आने वाली है जिससे पीने का पानी भी उपलब्ध नहीं होगा। उन्होंने लातूर के साथ-साथ गत वर्ष चेन्नई में पूर्ण रूप से समाप्त हुए जल की चर्चा करते हुए बताया कि अप्रैल 2018 में साउथ अफ्रीका की राजधानी केपटाउन में पानी समाप्त होने के कारण राशन में मिलने लगा था और ऑस्ट्रेलिया में पानी की कमी के कारण 5000 ऊंटों को गोली से मार दिया गया था। ऐसी भयावह स्थिति पूरे विश्व में बढ़ती जा रही है और भारत इसमें अग्रणी है। उन्होंने अपील कि जनता पानी बर्बाद ना करें और उसके साथ साथ वर्षा जल सहेजने के भी तरीके बताए।

सिरसा। भागवत कथा व्यास स्वामी कृष्णानंद से आशीर्वाद लेते रमेश गोयल।

28/7/2021 www.jagran.com

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण विद रमेश का नाम ओएमजी बुक आफ रिकार्ड में शामिल

सिरसा : पर्यावरण विद एवं जल संरक्षण का संदेश देने वाले रमेश गोयल का नाम ओएमजी बुक आफ रिकार्ड - 2021 में सम्मिलित हुआ है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 में वाटर हीरो अवार्ड से सम्मानित होने वाले रमेश गोयल वर्ष 2012 में हनुमान चालीसा की भांति जल संरक्षण के निमित्त जल चालीसा की रचना की थी, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर लोगों ने खूब सराहा। जल संरक्षण पर पूरे देश में जल चालीसा एकमात्र ऐसी रचना है, जिसकी इतनी कम अवधि में 2012 से सितंबर 2019 तक सर्वाधिक 60 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं और 10 लाख से अधिक लोगों को सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी है। जलशक्ति मंत्रालय भारत सरकार ने भी इसे जल संरक्षण का पूर्ण संदेश मानते हुए अपनी मासिक पत्रिका जल चर्चा के दिसम्बर 2019 के अंक में पिछले बाहरी टाइटल पर प्रकाशित किया था।

ओएमजी बुक आफ रिकार्ड में नाम शामिल होने की जानकारी देते एडवोकेट रमेश गोयल। ● विज्ञप्ति

जल चालीसा को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में मिला स्थान

भास्कर न्यूज | सिरसा

राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त जल स्टार रमेश गोयल जिन्हें भारत सरकार जलशक्ति मंत्रालय की ओर से 2020 में वाटर हीरो अवार्ड से सम्मानित किया गया था । अप्रैल 2012 में रचित जल चालीसा को 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड ने जल संरक्षण हेतु लिखी गई प्रमुख कविता व सर्वाधिक प्रकाशन के रूप में मान्यता प्रदान की है और रिकार्ड बुक 2021 में नाम प्रविष्टि की है। उल्लेखनीय है इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड भारत सरकार के पास पंजीकृत है और एशिया बुक ऑफ रिकाड्र्स से सम्बन्धित है तथा उसी के नियमों अनुरूप कार्य करती है। 'जल चालीसा' की 2012 से सितम्बर 2019 तक 60 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं । जलशक्ति मंत्रालय भारत सरकार की मासिक पत्रिका 'जल चर्चा' के दिसम्बर 2019 के अंक में पिछले बाहरी टाइटल पर जल चालीसा प्रकाशित की गई थी। जलशक्ति मंत्रालय ने भी इसे जल संरक्षण का पूर्ण सन्देश माना है। चालीसा के गायन वीडियो का विमोचन उड़ीसा के राज्यपाल ने किया था।

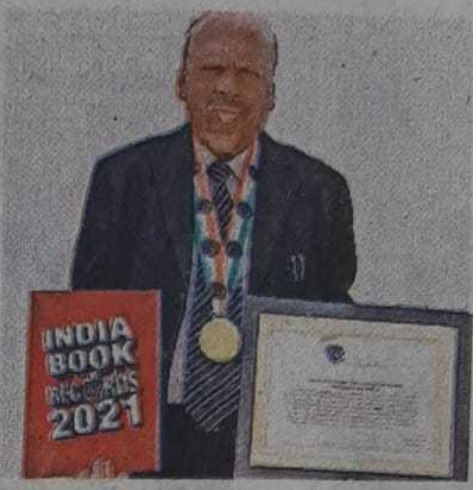

सिरसा। जल चालीसा को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में मिला स्थान व मान्यता पत्र दिखाते जल स्टार रमेश गोयल।

इन अवार्डों से सम्मानित

जल चालीसा रचयिता आयकर *व्यवसायी तथा वरिष्ठ नागरिक रमेश* गोयल जिला प्रशासन व हप्रा हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अतिरिक्त जल स्टार अवार्ड, डायमंड आफ इंडिया अवार्ड, सोशल जस्टिस बैस्ट मैन अवार्ड, जैम आफ इंडिया अवार्ड, चित्रगुप्त सम्मान 2017, राष्ट्र रत्न अवार्ड-2018, आउट स्टैंडिंग अवार्ड 2018, तथा भारत रत्न डॉ. अब्दुल कलाम राष्ट्र निर्माण अवार्ड 2018 के लिए चयनित, सिरसा गौरव से सम्मानित किए जा चुके हैं।

'गोयल के जल बचाओ मिशन ने 13 साल किए पूरे'

सिरसा, 5 मई (स.ह.): जल बचाने के लिए प्रेरित करने वाले अधिवक्ता रमेश गोयल को मुहिम चलाते पूरे 13 साल हो गए हैं। वर्ष 2008 में 60 वर्ष की आयु में जल संरक्षण जागरुकता अभियान आरम्भ करने वाले जल स्टार रमेश गोयल को भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय द्वारा वाटर हीरो अवार्ड दिए जाने से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनी है। संघर्षशील कार्यकर्त्ता रमेश गोयल ने 1960-63 में पूरानी किताबें खरीद बेचकर अपनी शिक्षा के खर्च की व्यवस्था की। वहीं दसवीं में पढ़ते हुए आठवीं श्रेणी के छात्रों को ट्यूशन पढ़ाई। 1965 से 1970 के बीच पारिवारिक आय बढ़ाने के मकसद से कैलेंडर व एल्युमिनियम नाम पट्टिकाओं के बुकिंग एजेन्ट के रूप में भी काम किया तथा लाटरी टिकटें भी बेची।

दिन में कोर्ट में ओपन टाइपिंग व अन्य कामों के साथ-साथ नेताजी सुभाष बोस प्रतिमा के लिए चन्दा मांगते व शाम को सांध्यकालीन कॉलेज में जाते। 6 मई 2008 को विवेकानन्द वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिरसा से जल बचत अभियान आरम्भ करने वाले रमेश गोयल अब राष्ट्रीय स्तर पर किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। 1970 से आयकर व्यवसायी के रुप में कार्यरत व जल स्टार के नाम से विख्यात रमेश गोयल अब तक देश भर में 400 से अधिक शिक्षण संस्थाओं व अन्य कार्यक्रमों में जा कर 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों व जनता को प्रत्यक्ष

गोयल द्वारा जल संरक्षण पर बनाई वीडियो का विमोचन करते राज्यपाल। *(फाइल फोटो)*

रूप से तथा टी.वी., दूरदर्शन, रेडियो व समाचार पत्रों के माध्यम से लोगों को जल बचत हेतु प्रेरित कर चुके हैं और यही अब जीवन का लक्ष्य एवं मिशन है। उनके द्वारा रचित बिन पानी सब सून पुस्तक का विमोचन 8 मई, 2010 को हरियाणा के राज्यपाल द्वारा किया गया। अप्रैल 2012 मे लिंखित जल चालीसा का विमोचन हरियाणा के मुख्यमन्त्री द्वारा किया गया। जबकि वीडियो का विमोचन उड़ीसा के राज्यपाल प्रो.गणेशी लाल ने सितम्बर 2018 में किया था। जल संरक्षण हेतू गोयल द्वारा रचित 108 चौपाईयों वाला जल मनका बचाना होगा निश्चित जल प्रकाशनाधीन है।

हिमाचल में 65%, उत्तराखंड में 82% कम बारिश, बर्फ भी नहीं पिघली

भाखड़ा डैम में रोज एक फीट घट रहा पानी, गर्मी के साथ जल संकट गहराया

- गेहूं कटाई के बाद पानी की डिमांड तेजी से बढ़ेगी

सुशील भार्गव | राजधानी हरियाणा

गर्मी बढ़ने के साथ-साथ प्रदेश में जल संकट गहराता जा रहा है। भाखड़ा डैम में हर दिन करीब एक फीट पानी घट रहा है। डैम में रिजर्व पानी 1532.38 फीट रह गया है। यह 22 मार्च को 1545.19 फीट था। पिछले 14 दिन में ही यह 13 फीट घट गया। साल 2020 में 5 अप्रैल को यह 1597.86 फीट और साल 2019 में 1615.68 फीट था। वहीं, पोंग डैम में रिजर्व पानी का लेवल 1298.89 फीट रह गया है। यह 22 मार्च को 1301.94 फीट था। 3.05 फीट पानी घटा है। साल 2020 में यह 5 अप्रैल को 1359.62 और 2019 में 1340.42 फीट था। सिंचाई विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पहाड़ों पर बारिश होने से बांधों में पानी बढ़ता है और मैदानों में बारिश से पानी की मांग घटती है। लेकिन 1 मार्च से 4 अप्रैल तक पहाड़ी राज्य हिमाचल में 65%, उत्तराखंड में 82% कम बारिश हुई। वहीं, मैदानी राज्यों में हरियाणा में 67%, उत्तर प्रदेश में 94%, हरियाणा में 67% और राजस्थान में 60% कम बारिश हुई। वहीं, लगातार पश्चिमी विक्षोभ आने के कारण पारा कम रहने से बर्फ नहीं पिघल रही। इससे बांधों में पानी लगातार घट रहा है। हालांकि, अभी प्रदेश में करीब 30 लाख हेक्टेयर एरिया में खड़ी गेहूं व सरसों के अलावा अन्य फसलों की कटाई चल रही है। इसके चलते फिलहाल खेतों में कम पानी की दरकार है। फसल कटाई के बाद खेतों में सिंचाई की जरूरत पड़ेगी। अगर बांधों में पानी ऐसे ही घटता रहा तो इस बार पानी की भारी किल्लत रह सकती है।

इस साल का मार्च 121 साल में तीसरा सबसे गर्म महीना

नई दिल्ली | इस साल औसत तापमान के लिहाज से मार्च बीते 121 साल में तीसरा सबसे गर्म महीना रहा। यह जानकारी भारतीय मौसम विभाग ने दी है। विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान सामने आया कि मार्च महीने में देश का अधिकतम औसत तापमान 32.65 डिग्री सेल्सियस रहा। विभाग के अनुसार मार्च में देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को भी पार कर गया। इससे पहले मार्च-2010 में अधिकतम औसत तापमान 33.09 था। जबकि मार्च-2004 में तापमान 32.82 रहा था। इधर, प्रदेश में नारनौल में दिन का तापमान सोमवार को 41.2 डिग्री पहुंच गया, जो सामान्य से 7 डिग्री अधिक है। गुड़गांव में यह 39.5, हिसार में 36.7 डिग्री रहा। 6-7 को पिश्चिमी विक्षोभ से दिन के तापमान में कुछ कमी आ सकती है। इसके बाद फिर से तापमान तेजी से बढ़ने के आसार हैं।

लू से पानी की मांग बढ़ेगी, पर बर्फ पिघलने से फ्लो भी बढ़ने की उम्मीद

अप्रैल के दूसरे सप्ताह में लू चलने के आसार बन रहे हैं। इससे प्रदेश में पानी की डिमांड और बढ़ जाएगी। लेकिन हरियाणा में गर्मी बढ़ेगी तो हिमाचल में भी गर्मी बढ़ेगी। ऐसे में वहां बर्फ पिघलेगी। इससे पानी का फ्लो बढ़ सकता है। वहीं, पश्चिमी विक्षोभ के असर से बर्फबारी व बारिश होने के आसार हैं। नदियों के कैचमेंट एरिया में बारिश होने से जल संग्रह बढ़ेगा।

हथिनीकुंड में जलस्तर बढ़ा, 3058 क्यूसिक हुआ

वहीं, यमुना नदी में हथिनीकुंड बैराज से 5 अप्रैल को 3058 क्यूसिक पानी निकला। इसमें से यूपी को 492, हरियाणा और दिल्ली को 2216 और यमुना नदी में 350 क्यूसिक पानी छोड़ा गया। इससे पहले 22 मार्च को 2327 क्यूसिक निकला था।

जेसीडी मैमोरियल कॉलेज की एनएसएस एवं यूथ रेडक्रास यूनिट ने मनाया विश्व जल दिवस

सिरसा, 22 मार्च (संजय शर्मा): जेसीडी विद्यापीठ में स्थापित मैमोरियल कॉलेज की एनएसएस यूनिट एवं यूथ रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा विश्व जल दिवस के अवसर पर सोमवार को एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन करवाया गया, जिसमें जेसीडी विद्यापीठ की प्रबंध निदेशक डॉ. शमीम शर्मा तथा रमेश गोयल ने बतौर मुख्यातिथि उपस्थित होकर विद्यार्थियों तथा उपस्थित जन को जल के महत्व तथा उसके उसके उपयोग की विस्तारपूर्वक व्याख्यां दी। इस अवसर पर जेसीडी विद्यापीठ के विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्य भी उपस्थित रहे। इस मौके पर कॉलेज प्राचार्या डॉ. शिखा गोयल व डॉ. जयप्रकाश द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। इस कार्यक्रम में जल स्टार रमेश गोयल ने विद्यार्थियों को अपने विस्तार व्याख्यान में जानकारी देते हुए बताया कि विश्व के कई देशों में पेय जल की खरीद पर लोग अपनी आमदनी का 15 से 50 प्रतिशत तक खर्च कर देते हैं लेकिन हमारे भारत मे लोगों को पानी आसानी से मिल रहा है जिसके कारण उन्हें पानी का मोल नहीं पता है पर उन्हें यह समझना होगा कि भारत के अनेक हिस्सों में पानी अपने सामान्य स्तर से

जल बचाओ अभियान में निभाएं हम सभी अपनी-अपनी सशक्त भूमिका: रमेश गोयल

काफी नीचे जा चुका है इसलिए हमें पानी को अधिक से अधिक बचाना होगा और वर्षा जल संग्रहित कर उसका निर्माण करना होगा।

इस अवसर पर उपस्थितजनों को अपने संबोधन में प्रबंध निदेशक डॉ. शमीम शर्मा ने कहा पानी को बेकार बहाना किसी पाप से कम नहीं है क्योंकि अगर पानी नही बचा तो हम आने वाले जीवन की उत्पत्ति पर ही रोक लगा देंगे जिसका दोष हर एक उस व्यक्ति को जाएगा जिसने पानी को बेपरवाह होकर बेकार में बहाया है। उन्होंने कहा पानी हमारी जरूरत है इसलिए इसका उपयोग भी सिर्फ हमारी ज़रूरत के अनुसार ही होना चाहिए। उन्होंने कहा पानी तो ईश्वर के चरणों का अमृत है और अमृत की एक-एक बूंद अनमोल है। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ शिखा गोयल ने सभी उपस्थित जन का स्वागत करते हुए सभी विश्व जल दिवस की बधाई दी और कहा के ये हमारा नैतिक कर्तव्य है के हम सभी अपने प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण स्थापित कर उनको संरक्षित करे।उन्होंने कहा के पानी के बिना हम अपने दैनिक जीवन का नेतृत्व नहीं कर सकते इसलिए पानी को हमें बचना होगा।अंत मे सभी गणमान्यजन ने विद्यार्थियों को यह संकल्प दिलवाया की हम जल का संरक्षण करेंगे और पानी के महत्व को समझते हुए जन-जन को समझाएंगे।

वर्षाजल संग्रहण करके विनाश व हानि से बचा जा सकता है: गोयल

पल पल न्यूज: सिरसा, 15 मार्च। जल बिरादरी पुणे की कोर टीम द्वारा निरन्तर चलाये जा रहे जल संरक्षण अभियान में हर रविवार वेबिनार के माध्यम से देश के सुप्रसिद्ध जल संरक्षण कार्यकर्ताओं की विभिन्न विषयों पर चर्चा कराई जा रही है। नदी समस्या, नदी साक्षरता, नदी संस्कार, नदी संस्कृति, नदी संसद, नदी समाज, नदी पुनर्जीवन जैसे विषयों पर चर्चा करते हुए रविवार 14 मार्च 2021 को 40वें वेबिनार आयोजन में 'कैच दी रेन-वर्षाजल संग्रहण' विषय पर भारत सरकार के जल शक्ति मन्त्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित, वाटर हीरो व जल संरक्षण को जीवन का मिशन मान चुके जल स्टार रमेश गोयल मुख्य वक्ता रहे और डा. राजेन्द्र सिंह ने अध्यक्षता की। उत्तराखंड से चन्दन नयाल व सीतामढ़ी (झारखंड) से ट्रीमैन सुजीत कुमार ने भी अपने विचार रखे तथा अपने अपने क्षेत्र में किए गए कार्यों के विषय में बताया। गोयल ने जल के महत्व व उसकी कमी के कारणों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रकृति की ओर से पूरा जल प्रदान किया जा रहा है परन्तु अव्यवस्था के कारण केवल 8 प्रतिशत वर्षाजल ही संग्रहित या संरक्षित किया जा रहा है। अति वर्षा के कारण

आने वाली बाढ़ से सही योजनाएं लागू करके हर वर्ष होने वाले विनाश व हानि से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि देश में ऐसे लाखों सरकारी व निजी भवन हैं जहां वर्षाजल भूमिगत संरक्षण सिस्टम/रिचार्ज सिस्टम लगाना नियमानुसार अनिवार्य है परन्तु लगाए नहीं गए हैं। सरकार को इसे कठोरता से लेना चाहिए और सम्बन्धित अधिकारियों के विरूद्ध भी कार्यवाही करनी चाहिए। लातुर, चेन्नई, केपटाउन, आस्ट्रेलिया, केलिफोर्निया आदि के उदाहरणों के साथ उन्होंने आम आदमी को वर्षाजल संग्रहण में जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि वर्षा के समय खुले स्थान पर बाल्टी, टब, ड्रम, घड़ा आदि रख दें जिसमें स्वतः जो पानी एकत्रित होगा, मानो कि हमने उस जल का निर्माण कर लिया अन्यथा पानी किसी मिल या फैक्ट्री में नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने जल संरक्षण/संग्रहण से स्वतः होने वाले लाभों पर भी चर्चा की और बताया कि इससे सीवरेज ओवरफ्लो होने की समस्या कम होगी व तारकोल से बनी सड़क, जो अधिक पानी खड़ा रहने के कारण टूटती है, कम टूटेगी। लगभग एक घंटा के अपने सम्बोधन में ऐसे अनेक विषयों पर चर्चा करते हुए उन्होंने जल सामान्य से जल समस्या को भविष्य में कम करने में अपना योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन संस्था के स्तम्भ नरेन्द्र चुग व विनोद बोधकर ने किया।

ान... दोहों के माध्यम से हिंदी साहित्य को किया समृद्ध

हिंदी में काम करने वाले अधिवक्ता के रूप में बनाई अलग पहचान

नेक सम्मान

दिया गया। सर्व भाषा ट्रस्ट नई दिल्ली ने 2018 में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला साहित्य सम्मान दिया। पूर्वोत्तर हिंदी अकादमी शिलांग मेघालय में आयोजित राष्ट्रीय हिंदी विकास सम्मेलन में डा. महाराज कृष्ण जैन स्मृति सम्मान मिला। हिंदी भवन ,भोपाल द्वारा राष्ट्रीय एकता-अखंडता राष्ट्र भाषा हिंदी एवं रचनाकारों के प्रोत्साहन के लिए सम्मान दिया। निर्मला स्मृति हिंदी साहित्य रत्न सम्मान 2019 तथा आनंद कला मंच एवं शोध संस्थान भिवानी द्वारा जयलाल दास स्मृति साहित्य गौरव सम्मान दिया गया।

ंवाद मेरे काव्य ंग्रह है जबकि ीयूष सतसई दोहा संग्रह है। रूप वगुण की कहानियों में नारी के भिन्न रूप (समीक्षात्मक पुस्तक), जकुमार निजात की शिक्षाप्रद ीवनोपयोगी सूक्तियां (संपादित स्तक), लघुकथा मञ्जूषा सम्पादित पुस्तक), समालोचना सोपान (समीक्षात्मक), रूप वगुण की लघुकथाओं में यथार्थ आदर्श (समीक्षात्मक अध्ययन) ा अनुभव के मोती (लघुकविता ग्रह) है।

विश्व हिंदी दिवस पर विशेष

जागरण संवाददाता, सिरसा : सिरसा निवासी वरिष्ठ आयकर अधिवक्ता रमेश गोयल पिछले 45 साल से अपना अधिकतर कार्य हिंदी में कर रहे हैं। ट्रस्ट डीड हो अथवा साझेदारी प्रलेख या अन्य दस्तावेज सभी को हिंदी में करने की प्राथमिकता देते हैं। आयकर व बिक्रीकर विभाग के अधिकारियों में हिन्दी में काम करने वाले वकील के नाम से एक अलग पहचान रही है। 14 सितंबर 2019 को गुरुग्राम में आयोजित प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन में प. फूलचंद सुमन स्मृति ट्रस्ट द्वारा उन्हें हिंदी सेवी सम्मान प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। वर्तमान में गोयल जल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। जल संरक्षण का संदेश देने के लिए उन्होंने जल मनका व जल चालीसा लिखी है।

72 वर्षीय रमेश गोयल को जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार ने सितंबर 2020 में ही वाटर हीरो सम्मान से पुरस्कृत किया है। गोयल आयकर विवरणी व बिक्रीकर वैट का सब कार्य हिन्दी में करते हैं। आयकर अपीलीय अधिकरण, चंडीगढ़ व बिक्रीकर अधिकरण हरियाणा द्वितीय अपील अथॉरिटी को हिंदी में अपील भेजने वाले देशभर में एक मात्र व्यवसायी गोयल फरवरी 1992 में स्थापित हरियाणा बिक्रीकर बार एसोसिएशन की संविधान समिति के चेयरमैन बने। संस्था का संविधान हिन्दी में बनाया जिसे सदस्यों के अनुरोध पर बाद में अंग्रेजी में अनुवाद किया गया। रमेश गोयल प्रांतीय व राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं। जिस संस्था में भी सक्रिय रहे हैं उसका काम यदि पहले अंग्रेजी में होता था तो उसे हिंदी भाषा में परिवर्तित कर दिया।

1978 में सुषमा स्वराज की अध्यक्षता में गठित हरियाणा प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी में संयुक्त महामंत्री का दायित्व संभाला। गोयल को 1983 में अध्यक्ष फूलचंद सुमन द्वारा सम्मेलन का प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। सिरसा शाखा द्वारा 1982 में रमेश गोयल की प्रधानता में एक अनियतकालीन पत्रिका साहित्यिकी का प्रकाशन शुरू किया गया। उन्हें हरियाणा प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन सिरसा द्वारा 14 सितंबर 1985 को सम्मानित किया गया। प्रादेशिक स्तर पर सिरसा शाखा को 1977-78 व 1982-83 सम्मानित किया गया। पहली बार वे शाखा सचिव व दूसरी बार शाखा प्रधान थे। सम्मेलन द्वारा 1980 में 10 हजार स्टीकर आप भारतीय हैं हिन्दी अपनाइए व हिन्दी अपनाए मत शरमाइये तैयार करवाए थे।

एडवोकेट रमेश गोयल। ● स्वयं के सौजन्य से

'बिन पानी सब सून' पुस्तक हुई प्रकाशित

रमेश गोयल ने लिखित लघु कथाएं, कविताएं, लेख इत्यादि के माध्यम से हिंदी साहित्य को समृद्ध किया। 2010 में 'बिन पानी सब सून' पुस्तक प्रकाशित हुई, जिसका विमोचन हरियाणा के राज्यपाल द्वारा 10 मई 2010 को किया गया। 2012 में जल संरक्षण निमित जल चालीसा की रचना का विमोचन मुख्यमंत्री द्वारा अप्रैल 2012 में किया गया। इसकी अब तक 60 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी है व इंटरनेट मीडिया पर भी खूब वायरल रही हैं। 2017 में एफिल टावर वाया स्विस विदेश यात्रा हरियाणा साहित्य अकादमी के सहयोग से प्रकाशित हुई है। क्यों और कैसे बचाए जल पुस्तक प्रकाशन अधीन है। कोरोना काल में जल संरक्षण के हर पहलू को छूते हुए 108 चौपाइयों का एक जल मनका लिखा है जिसकी हर चौपाई बोलती है निश्चित बचाना होगा जल।

जल चालीसा

जल मंदिर, जल देवता, जल पूजा जल ध्यान।
जीवन का पर्याय जल, सभी सुखों की खान।।
जल की महिमा क्या कहें, जाने सकल जहान।
बूंद-बूंद बहुमूल्य है, दें पूरा सम्मान।।

जय जलदेव सकल सुखदाता,
मात पिता भ्राता सम त्राता।
सागर जल में विष्णु विराजे,
शंभु शीश गंगा जल साजे।
इंद्र देव है जल बरसाता,
वरुणदेव जलपति कहलाता।
रामायण की सरयू मैया,
कालिंदी का कृष्ण कन्हैया।
गंगा यमुना नाम धरे जल,
जन्म-जन्म के पाप हरे जल।
ऋषिकेश है, हरिद्वार है,
जल ही काशी मोक्ष द्वार है।
राम नाम की मीठी बानी,
नदिया तट पर केवट जानी।
माता भूमि पिता है पानी,
यही कह रही है गुरबानी।
जन जन हेतु नीर ले आई,
नदियां तब माता कहलाई।
सूर्य देव को अर्पण जल से,
पितरों का भी तर्पण जल से।
चाहे हवन करें या पूजा,
पानी के सम और न दूजा।
चाहे नभ हो, या हो जल-थल,
जीव-जंतु की जान सदा जल।
बूंद-बूंद से भरता गागर,
गागर से बन जाता सागर।
नीर क्षीर मधु खिलता तन-मन,
नीर बिना नीरस है जीवन।
नदी सरोवर जब भर जाए,
लहरे खेती मन हरषाए।
तीन भाग जल काया भीतर,
फिर भी चाहिए पानी दिन भर।
तीरथ व्रत निष्फल हो जाएं,
समुचित जल जब हम ना पाएं।
जल बिन कैसे बने रसोई,
भोजन कैसे खाये कोई।
नदियों में जब ना होगा जल,
खाली होंगे सब के ही नल।
घटता भू जल सूखी नदियां,
जाने तो अच्छी हो दुनिया।
पाइप से हम फर्श न धोएं,
गाड़ी पर हम जल ना खोएं।
टूंटी कभी न खुल्ली छोड़ें,
व्यर्थ बहे झटपट दौड़ें।
बिन मतलब छिड़काव करें ना,
जल का व्यर्थ बहाव करें ना।
जल की सोचें, कल की सोचें,
जीवन के पल-पल की सोचें।
बड़ी भूल है भूजल दोहन,
यही बताता है भूकम्पन।
कम वर्षा है अति तड़पाती,
बिन पानी खेती जल जाती।
वर्षा जल एकत्र करेंगे,
इसी बात का ध्यान धरेंगे।
बर्तन मांजें वस्त्र खंगालें,
उस जल को बेकार न डालें।
पौधे सींचें आंगन धोलें,
कण-कण में जीवन रस घोलें।
जीवन जीवाधार सदा जल,
कुदरत का उपहार सदा जल।
धन संचय तो करते हैं सब,
जल-संचय भी हम कर लें अब।
हम सब मिल संकल्प करेंगे,
पानी कभी न नष्ट करेंगे।
सोचें जल बर्बादी का हल,
ताकि न आए संकट का कल।
सुनलें जरा नदी की कल कल,
उसमें कभी नहीं डालें मल।
जीवन का अनमोल रतन जल,
जैसे बचे बचाएं हर पल।
जल से जीवन, जीवन ही जल,
समझें जब यह तभी बचे जल।
हरे-भरे हम पेड़ लगाएं,
उमड़-घुमड़ घन बरखा लाएं।
पेड़ों के बिन मेघ ना बरसें,
लगें पेड़ तो फिर क्यों तरसें।
हम सुधरेंगे जग सुधरेगा,
बूंद-बूंद से घड़ा भरेगा।
जन जन हमें जगाना होगा,
जल सब तरह बचाना होगा।

कूएं नदियां बावड़ी, जब लौं जल भरपूर।
तब लौं जीवन सुखभरा, बरसे चहुं दिस नूर।।
जल बचाव अभियान की, मन में लिए उमंग।

~ श्री रमेश गोयल ~

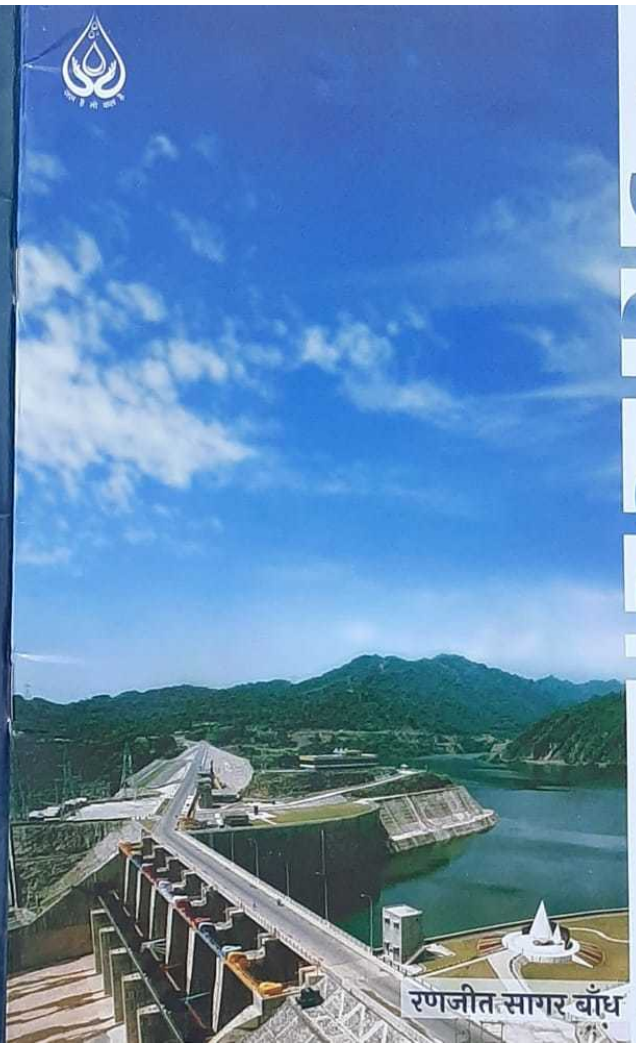

Share your suggestions & feedback at media-mowr@nic.in

Dece
20
Twelf
Vol. 1

सड़क निर्माण में पेड़ न काटने का सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सराहनीय : गोयल

पल पल न्यूजः सिरसा, 5 दिसंबर। सड़क बनाने के लिए पेड़ काटने की जरूरत पर उच्चतम न्यायालय़ के निर्णय का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय पूर्व मन्त्री पर्यावारण रमेश गोयल ने कहा कि उन्होंने भी हरियाणा सरकार को लिखा था कि सड़क बनाते हुए पेड़ काटने की बजाय उस लाइन को डिवाइडर के रूप में लिया जाये तो पुराने वृक्ष कटने से बच जायंगे। माननीय उच्चतम न्यायालय ने मथुरा (उतर प्रदेश) के कृष्ण-गोवर्धन रोड़ प्रोजेक्ट के लिए 3 हजार पेड़ काटने की सरकार की योजना पर संज्ञान लेते हुए कहा है कि सड़क को सीधा बनाने की क्या आवश्यकता है। जहां पेड़ आए वहां से घुमाकर सड़क बनाएं इससे वाहनों की गति धीमी होगी और दुर्घटनाएं भी कम होंगी। मुख्य न्यायाधीश एसए बोवेड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने देश में बढ़ रही सड़क दुधटनाओं पर चर्चा करते हुए तेज गति से चलते हुए वाहनों का कारण भी सीधी सड़क को माना है। माननीय मुख्य न्यायधीश ने सरकार से पूछा है कि 90-100 वर्ष पूराने वृक्ष को काटे जाने की पूर्ति किसी भी दशा में नए वृक्ष लगाकर नहीं की जा सकती। गोयल ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे पूराने वृक्ष काटने पर रोक लगने के साथ साथ पर्यावरण को होने वाली हानि से बचा जा सकेगा और सरकारों व प्रशासन की मनमानी पर अंकुश लगेगा।

2 जुलाई 2000
अतिक्रमण

पूरा सच

ऑन दी रिकार्ड

शहर सिर्फ इंस्पेक्टर चंद्र सिंह का तो नहीं

राम चंद्र छत्रपति

बाजारों में दुकानदारों द्वारा किए जाने वाले अतिक्रमण की समस्या सिर्फ सिरसा में ही नहीं है, और शहरों में भी यह समस्या मौजूद है। किंतु अतिक्रमण के कारण सिरसा के खुले-खुले बाजार भी इतने संकरे हो गए है कि इनके कारण अनेक समस्याएं पैदा हो गई है।

दुकानदार अपनी दुकानों के आगे जिस प्रकार दूर तक सामान फैला देते है, उससे आवागमन में बाधा तो पड़ती ही है। सामान को सड़क पर फैलाने की यह बीमारी दुकानदारों की प्रतिस्पर्द्धा की उपज है। यदि सभी दुकानदार अपने सामान को एक निश्चित सीमा तक फैलाएं तो समस्या का समाधान हो सकता है।

अतिक्रमण का यह रोग नया नही है, बल्कि पुराना है। पिछले वर्षो में उपायुक्त बी.के.पाणिग्रही और उसके बाद उपायुक्त डा.अवतार सिंह ने इस समस्या के समाधान हेतु प्रशासन, नागरिकों और व्यापारियों की संयुक्त बैठकों के माध्यम से कुछ कायदे-कानून निर्धारित करके शहर को अच्छा रूप देने का प्रयास किया। इस प्रकार के प्रयास पहले भी समय-समय पर होते रहे है। किंतु प्रशासकों के तबादले के बाद फिर से सब कुछ पुराना हो जाता है और नये आने वाले प्रशासक को अतिक्रमण की पढ़ाई को पुन: क.ख.ग. से शुरु करना पड़ता है।

वर्तमान प्रशासकों ने नगर के गली-बाजारों से अतिक्रमण हटाने के फिर से प्रयास शुरु किए है। इस कार्रवाई में नगर पुलिस प्रभारी चंद्र सिंह ने काफी उत्साह से काम किया है। कुछ बाजारों से अतिक्रमण हटे भी है। इस बीच 'व्यापारी यूनियन' के बैनर से हो-हल्ला शुरु हो गया। चंद्र सिंह के तबादले की मांग भी उठाई गई।

इधर व्यापारी यूनियन चंद्र सिंह को खलनायक साबित करने के बयान दे रहे है तो ऐसा तबका भी है जो बाजारों से हटने वाले अतिक्रमण से राहत महसूस करके प्रशासन की पीठ ठोंकना चाहता है। वैद्य श्रीनिवास ने तो समाचार पत्रों में मुखर बयान देकर अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के लिए पुलिस की ताइद की है। वास्तविकता तो यह है कि नागरिकों का बहुमत अतिक्रमण हटाए जाने के पक्ष में है। यहां तक कि अधिकांश दुकानदार भी इसी बात पर सहमत है कि सबके लिए एक नियम लागु किया जाए तो सभी दुकानदार उसे स्वीकार करेंगे। किंतु 'व्यापारी यूनियन' के बैनर का प्रयोग करके इने-गिने लोग एक अच्छे उद्देश्य की पूर्ति में रोड़ा अटकाने का काम करते आ रहे है।

इन कथित व्यापारी नेताओं के अपने हित सामने है और शहर का कौन समझदार आदमी नहीं जानता कि सरकार और प्रशासन को व्यापारी एकता के नाम पर उपदेश देने वाले इन दुकानदार नेताओं ने अपनी दुकानों के सामने सड़क का बहुत बड़ा रकबा घेर कर उस पर सामान फैलाया हुआ है।

क्या यह उचित नहीं है कि दुकानदारों और व्यापारियों के हितों की दुहाई देने वाले 'व्यापारी नेता' व्यापारी हितों के साथ-साथ नगर और नागरिकों के हितों की ओर भी देखें? आखिर व्यापारी होने से पहले वे नागरिक भी तो है। क्या यह उचित नही है कि हम पुलिस और प्रशासन के हर अच्छे-बुरे कदम की आलोचना करने की बजाए अच्छे कार्य में प्रशासन के सहयोगी भी बनें?

मुझे आशा है जिन व्यापारी नेताओं की ओर सबकी उंगली उठ रही है, वे खुद ही अपनी दुकानों के आगे का अतिक्रमण हटा कर दूसरों के लिए उदाहरण पेश करेंगे। आखिर सिरसा शहर हम सबका है, केवल इंस्पेक्टर चंद्र सिंह का नही। आओ, इसे सुन्दर और चलने लायक बनाएं।

रमेश गोयल ने जीता केंद्र का 'वाटर हीरो' पुरस्कार

देश भर से 60 लोगों को मिलेगा यह पुरस्कार

सिरसा, 10 सितम्बर (का.प्र.): भारत सरकार जलशक्ति मन्त्रालय द्वारा जल संरक्षण क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए 'वाटर हीरो' पुरस्कार योजना सितम्बर 2019 से जून 2020 तक मासिक स्तर पर चलाई गई जिसमें विजेताओं को 'वाटर हीरो' सम्मान के साथ साथ दस हजार रुपए की राशि भी प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में सिरसा हरियाणा से जल स्टार रमेश गोयल का नाम जून 2020 के गत दिवस घोषित परिणाम में चयनित हुआ है। देश भर से लगभग 60 व्यक्ति वाटर हीरो पुरस्कार विजेता हैं और यह अति महत्वपूर्ण है कि हरियाणा से गोयल अकेले जल संरक्षण

रमेश गोयल।

कार्यकर्ता हैं जो इस सम्मान के लिए चुने गए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रतिष्ठित आयकर व्यवसायी तथा वरिष्ठ नागरिक गोयल जिला प्रशासन व ह.प्रा. हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अतिरिक्त जल स्टार अवार्ड, डायमंड आफ इंडिया अवार्ड, सोशल जस्टिस बैस्ट मैन अवार्ड, जैम आफ इंडिया अवार्ड, श्री चित्रगुप्त सम्मान 2017, राष्ट्र रत्न अवार्ड-2018, आउट स्टैंडिंग अवार्ड 2018, सारथी जल योद्धा सम्मान 2018 व अग्र रत्न अवार्ड 2018 से सम्मानित तथा भारत रत्न डा. अब्दुल कलाम राष्ट्र निर्माण अवार्ड 2018 के लिए चयनित, सिरसा गौरव (सित. 2019) से सम्मानित किए जा चुके हैं। जल संरक्षण को समर्पित कार्यकर्ता, भारत विकास परिषद् के पूर्व राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण एवं पर्यावरण प्रेरणा के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश गोयल को वर्ष 2020 में ही कुछ समय पूर्व जलशक्ति मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा जल रक्षक सम्मान दिया गया था और उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करने के साथ साथ उनके द्वारा रचित जल चालीसा की चर्चा भी की थी।

उल्लेखनीय है कि जलशक्ति मन्त्रालय की मासिक पत्रिका 'जल चर्चा' के दिसम्बर 2019 के अंक में उनके कार्यों पर आलेख प्रकाशित किया गया था तथा बाहरी बैक टाइटल पर उनके द्वारा रचित जल चालीसा प्रकाशित की गई थी। 'जल चालीसा' की अब तक 60 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं और लगभग 10 लाख लोगों को सोशल मिडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी हैं। जलशक्ति मन्त्रालय ने भी इसे जल संरक्षण का पूर्ण सन्देश माना है। राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुकी जल चालीसा को अनेक समाचार पत्र व पत्रिकाओं ने भी प्रकाशित किया है।

उल्लेखनीय है कि जल संरक्षण को जीवन का मिशन मान चुके 72 वर्षीय गोयल जल संरक्षण पर वर्ष 2008 से निरन्तर प्रयासरत हैं और जल बचत से स्वत: होने वाले बिजली बचत, धन बचत व विकास के बारे में भी प्रकाश डालते हुए प्रदूषण की रोकथाम, वृक्ष बचाने, स्वच्छता के लिए छोटे छोटे उदाहरणों से समझाते हुए जल संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करते रहते हैं।

जल स्टार के नाम से देश भर में विख्यात गोयल विगत 12 वर्षों से जल संरक्षण अभियान चला रहे हैं। उल्लेखनीय है कि देश भर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, कथा मंचों व अन्य लगभग 400 कार्यक्रमों में लगभग 4 लाख से अधिक विद्यार्थियों, अध्यापकों व जनता को सम्बोधित कर चुके हैं जिसमें जल के महत्व, उपलब्धता, पानी बचत की आवश्यकता व अनिवार्यता तथा बर्बादी रोकने के उपायों पर विस्तृत चर्चा करते हैं।

जागरण सिटी
दैनिक जागरण
सिरसा
www.jagran.com

छह साल बाद अपनों से मिलवाया

जलशक्ति मंत्रालय ने गोयल को दिया वाटर हीरो सम्मान

साल के दौरान लगे मीटरों की आइटी से जांच कराने की मांग

सा : कीर्तिनगर निवासी ज ने शहर की विभिन्न में लगे सिंगल व थ्री फेज की एसआइटी बनाकर जाने की मांग की। उन्होंने विद्युतमंत्री, गृहमंत्री निगम के सीएमडी, अधीक्षण अभियंता व कारियों के नाम ज्ञापन पन में बलदेव राज ने हर की बरनाला रोड पर ; राम कॉलोनी, एडीसी कालोनी, एमआइटीसी कॉलोनी, खैरपुर, फ्रैंडस कॉलोनी में लगे सिंगल व थ्री फेज के मीटरों को व पोल के ऊपर लगी पीवीसी तारों को दुरुस्त करवाया जाए। 15 अगस्त 2018 से लेकर 11 सितंबर 2020 तक सिरसा सिटी एरिया में लगे सिंगल व थ्री फेज के मीटरों के कलंप, पत्ती, नट बोल्ट व पीवीसी केबल को लेकर एसआइटी गठित कर जांच की जाए। बलदेव राज ने बताया कि इस मामले में निगम के कई कर्मचारी शामिल है।

ाइन कविता लेखन स्पर्धा प्रथम तो विपिन रहा द्वितीय

रानियां : राजकीय क विद्यालय में हिंदी र्गत बच्चों को हिंदी ढ़ाने के लिए हिंदी त स्वरचित कविता ता का ऑनलाइन गया। इस प्रतियोगिता का सूबे सिंह प्रथम, विपिन द्वितीय व रोशन तृतीय रहा। आयोजन हिंदी प्रवक्ता प्रेम चंद कंबोज एवं सीमा रानी द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारे राष्ट्र की आन बान और शान है। हिंदी का विकास करके हम अपने राष्ट्र को उन्नति के पथ पर आगे बढ़ा सकते हैं। देश के संपूर्ण विकास के लिए प्रत्येक कार्यालय में हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। यह हमारी मातृभाषा है इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा हिंदी का प्रयोग करना चाहिए।

राष्ट्रीय वेबिनार में ई लर्निंग पर हुआ मंथन

जासं, सिरसा : नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में इग्नू रीजिनल सेंटर, करनाल के साथ संयुक्त रूप से एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार में देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभागी जुड़े। कॉलेज की प्राचार्या डा. पूनम मिगलानी ने सबसे पहले मुख्य वक्ता, संयोजक, सह-संयोजक का स्वागत किया। करनाल के रिजनल निदेशक डा. पूनम के. सिंह ने कहा कि कोविड-19 के कारण हमारे सामने बहुत सारी नई स्थितियां पैदा हुई हैं जिसके कारण ई-लर्निंग उपकरण प्रयोग किए जाते हैं। हम इन उपकरणों का उपयोग करके बिना किसी मुश्किल के बच्चों को पढ़ाने के लिए अपनी निरंतर सेवाएं प्रदान कर रहे है।

मुख्य स्पीकर चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग से प्रो. डा. निवेदिता हुड्डा ने एकीकृत अधिगम के विकास में प्रभावशाली शिक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए। डा. निवेदिता ने प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का संतोषपूर्वक ढंग से उतर दिया। इसके बाद गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साईंस एंड टेक्नॉलजी, हिसार के डीन ऑफ फैक्लटी ऑफ एजुकेशन के डा. वंदना पूनिया भी जुडे ।

जलशक्ति मंत्रालय ने गोयल को दिया वाटर हीरो सम्मान

जागरण संवाददाता, सिरसा : भारत सरकार जलशक्ति मंत्रालय द्वारा जल संरक्षण क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए वाटर हीरो पुरस्कार योजना सितंबर 2019 से जून 2020 तक मासिक स्तर पर चलाई गई जिसमें विजेताओं को वाटर हीरो सम्मान के साथ साथ दस हजार रुपये की राशि भी प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में सिरसा निवासी रमेश गोयल का नाम जून 2020 के में चयनित हुआ है। देश भर से लगभग 60 व्यक्ति वाटर हीरो पुरस्कार विजेता हैं और यह अति महत्वपूर्ण है कि हरियाणा से रमेश गोयल अकेले जल संरक्षण कार्यकर्ता हैं जो इस सम्मान के लिए चुने गए हैं।

प्रतिष्ठित आयकर व्यवसायी रमेश गोयल जिला प्रशासन, व हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अतिरिक्त जल स्टार अवार्ड, डायमंड आफ इंडिया अवार्ड, सोशल जस्टिस बेस्ट मैन अवार्ड, जैम आफ इंडिया अवार्ड, श्री चित्रगुप्त सम्मान 2017, राष्ट्र रत्न अवार्ड.2018, आउट स्टैंडिंग अवार्ड 2018, सारथी जल योद्धा सम्मान 2018 व अग्र रत्न अवार्ड 2018 से सम्मानित तथा भारत रत्न डा. अब्दुल कलाम राष्ट्र निर्माण अवार्ड 2018 के लिए चयनित किए चुके हैं।

एडवोकेट रमेश गोयल। • रमेश गोयल के सौजन्य से

2008 से कर रहे प्रयास

जल संरक्षण को जीवन का मिशन मान चुके 72 वर्षीय रमेश गोयल जल संरक्षण पर वर्ष 2008 से निरंतर प्रयासरत है। बिजली बचत, धन बचत व विकास के बारे मे भी प्रकाश डालते हुए प्रदूषण की रोकथाम, वृक्ष बचाने, स्वच्छता के लिए छोटे छोटे उदाहरणों से समझाते हुए जल संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करते रहते है।

ईओ के ट्रांसफर के मामले में अब 17 को होगी सुनवाई

जागरण संवाददाता, जींद : नगर परिषद ईओ डा. एसके चौहान के जींद से टोहाना ट्रांसफर के मामले में हाई कोर्ट में अब अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी। ईओ की याचिका पर हाई कोर्ट ने प्रधान पूनम सैनी से शपथ पत्र मांगा था। जिसमें उन्हें बताना था कि ईओ को रिलीव करने में क्या प्रक्रिया अपनाई। शुक्रवार को इस मामले में कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसमें अगली तारीख 17 सितंबर दे दी गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव से भी कोर्ट ने जवाब मांगा हुआ है कि नगर परिषद प्रधान ईओ को रिलीव कर सकते हैं या नहीं। प्रधान पूनम सैनी ने बताया कि वे कोर्ट में अपना शपथ पत्र भेज चुकी हैं। इससे पहले भी ईओ को प्रधान रिलीव करती रही हैं।

ईओ डा. एसके चौहान को भी साल 2018 में उन्होंने ही रिलीव किया था। जिसकी कॉपी भी शपथ पत्र में दी गई है। गौरतलब है कि 17 जुलाई को प्रधान पूनम सैनी के पति जवाहर सैनी और पार्षद काला सैनी का ईओ डा. एसके चौहान के साथ किसी फाइल पर हस्ताक्षर करने को लेकर विवाद हुआ था। उसके बाद चार अगस्त को ईओ का जींद से टोहाना ट्रांसफर हो गया।

जागरण में हर रोज ज्ञान गं

1. किस देश ने सोशल मीडिया पर फर्जी सूचना पर अंकुश लगाने के लिए असोल वीनी नाम से एक अभियान शुरू किया है?
2. लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर जिसे गर्म और उच्च मौसम की स्थिति के लिए टेस्ट किया गया है, किस संगठन द्वारा विकसित किया गया है?
3. कैग के आंकड़ों के अनुसार कोरोना वायरस से निपटने के लिए अप्रैल–जुलाई में भारत की उधारी की मात्रा कितनी है?
4. पशुधन के प्रबंधन के लिए प्रधानमंत्री द्वारा लांच किए गए नए प्लेटफार्म का नाम क्या है?
5. भारत के किस पड़ोसी देश ने गोवध पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दिया है?
6. राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड किस मंत्रालय के तत्वावधान में क है?
7. जहाजरानी म शुरू किए गए नए निवार नाम क्या है?
8. अमेरिका स्थित एय नॉर्थरॉप ग्रुमैन ने अपने यान का नाम किस भा अंतरिक्ष यात्री के नाम
9. ग्लेशियर से पिघ और हिमस्खलन के होने को क्या कहा ज
10. भारत का सबसे उत्पादक राज्य कौन

जवाब : 1. बांग्लाद 2. हिंदुस्तान एयर लिमिटेड, 3. 39, ई गोपाला एप, 5 विज्ञान व प्रौद्योगि एसएआरओडी चावला, 9. अप

सिटी हलचल

पुलिस कर्मियों पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

सिरसा : गांव बड़ागुढ़ा निवासी सेवक सिंह ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर बड़ागुढ़ा थाना के पुलिस कर्मियों पर जबरन मारपीट करने व उसकी ... साढ़े 11 बजे तक ... रहे। शिकायतक ... कि आरोपितों ने ... कौर से धक्का मु

जलशक्ति मंत्रालय ने गोयल को दिया वाटर हीरो सम्मान

जागरण संवाददाता, सिरसा : भारत सरकार जलशक्ति मंत्रालय द्वारा जल संरक्षण क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए वाटर हीरो पुरस्कार योजना सितंबर 2019 से जून 2020 तक मासिक स्तर पर चलाई गई जिसमें विजेताओं को वाटर हीरो सम्मान के साथ साथ दस हजार रुपये की राशि भी प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में सिरसा निवासी रमेश गोयल का नाम जून 2020 के में चयनित हुआ है। देश भर से लगभग 60 व्यक्ति वाटर हीरो पुरस्कार विजेता हैं और यह अति महत्वपूर्ण है कि हरियाणा से रमेश गोयल अकेले जल संरक्षण कार्यकर्ता हैं जो इस सम्मान के लिए चुने गए हैं।

प्रतिष्ठित आयकर व्यवसायी रमेश गोयल जिला प्रशासन, व हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अतिरिक्त जल स्टार अवार्ड, डायमंड आफ इंडिया अवार्ड, सोशल जस्टिस बेस्ट मैन अवार्ड, जैम आफ इंडिया अवार्ड, श्री चित्रगुप्त सम्मान 2017, राष्ट्र रत्न अवार्ड.2018, आउट स्टैंडिंग अवार्ड 2018, सारथी जल योद्धा सम्मान 2018 व अग्र रत्न अवार्ड 2018 से सम्मानित तथा भारत रत्न डा. अब्दुल कलाम राष्ट्र निर्माण अवार्ड 2018 के लिए चयनित किए चुके हैं।

एडवोकेट रमेश गोयल। ● रमेश गोयल के सौजन्य से

2008 से कर रहे प्रयास

जल संरक्षण को जीवन का मिशन मान चुके 72 वर्षीय रमेश गोयल जल संरक्षण पर वर्ष 2008 से निरंतर प्रयासरत हैं। बिजली बचत, धन बचत व विकास के बारे में भी प्रकाश डालते हुए प्रदूषण की रोकथाम, वृक्ष बचाने, स्वच्छता के लिए छोटे छोटे उदाहरणों से समझाते हुए जल संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करते रहते हैं।

जल चालीसा ''जल चर्चा'' में प्रकाशित

पल पल न्यूजः सिरसा, 5 फरवरी। भारत सरकार के जलशक्ति मन्त्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त जल स्टार रमेश गोयल के जल-ऊर्जा बचत अभियान को संज्ञान में लेते हुए अपनी मासिक पत्रिका 'जल चर्चा' में स्थान दिया है और उनके अभियान के विषय में दिसम्बर 2019 के अंक में आलेख प्रकाशित किया है। पर्यावरण प्रेरणा संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा भारत विकास परिषद की राष्ट्रीय सेवा समिति के राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण रहे गोयल द्वारा रचित ''जल चालीसा'', जिसकी अब तक 60 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं और लगभग 10 लाख लोगों को सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी हैं, को भी बाहरी टाईटल पृष्ठ पर प्रकाशित करके न केवल जल चालीसा को मान्यता प्रदान की है बल्कि उनका सम्मान भी बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि 'जल चालीसा', जो जल संरक्षण का पूर्ण सन्देश है और राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुकी है, को अनेक समाचार पत्र व पत्रिकाओं ने प्रकाशित किया है। अन्तर्राष्ट्रीय न्यूज चैनल डीडी न्यूज तथा डीडी किसान ने

अगस्त 2015 में इस पर विशेष फीचर प्रसारित किया था। जल चालीसा के वीडियो का विमोचन उड़ीसा के राज्यपाल गणेशी लाल ने किया था। उल्लेखनीय है कि गोयल जल संरक्षण पर निरन्तर प्रयासरत हैं और जल बचत से स्वतः होने वाले बिजली बचत, धन बचत व विकास के बारे में भी प्रकाश डालते हुए प्रदूषण की रोकथाम, वृक्ष बचाने, स्वच्छता के लिए छोटे छोटे उदाहरणों से समझाते हुए जल संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करते रहते हैं। जल स्टार के नाम से देश भर में विख्यात गोयल विगत 11 वर्षों से जल संरक्षण अभियान चला रहे हैं और प्रत्यक्ष सम्बोधन तथा रेडियों, टी वी, अखबार आदि के माध्यम से लगभग एक करोड़ लोगों को जल संरक्षण सन्देश दे चुके हैं। 60 वर्ष की आयु में 2008 में प्रारम्भ पर्यावरण व जल व विद्युत संरक्षण अभियान को मिशन के रूप में लिया हुआ है। प्रतिष्ठित आयकर व्यवसायी तथा वरिष्ठ नागरिक गोयल जिला प्रशासन व ह.प्रा. हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अतिरिक्त जल स्टार अवार्ड, डायमंड आफ इंडिया अवार्ड, सोशल जस्टिस बैस्ट मैन अवार्ड, जैम आफ इडिया अवार्ड, श्री चित्रगुप्त सम्मान 2017, राष्ट्र रत्न अवार्ड-2018, आउट स्टैंडिंग अवार्ड 2018, सारथी जल योद्धा सम्मान 2018 व अग्र रत्न अवार्ड 2018 से सम्मानित तथा भारत रत्न डा. अब्दुल कलाम राष्ट्र निर्माण अवार्ड 2018 के लिए चयनित, सिरसा गौरव (सित. 2019) से सम्मानित किए जा चुके हैं।

गोयल ने कथा के माध्यम से दिया जल बचत का संदेश

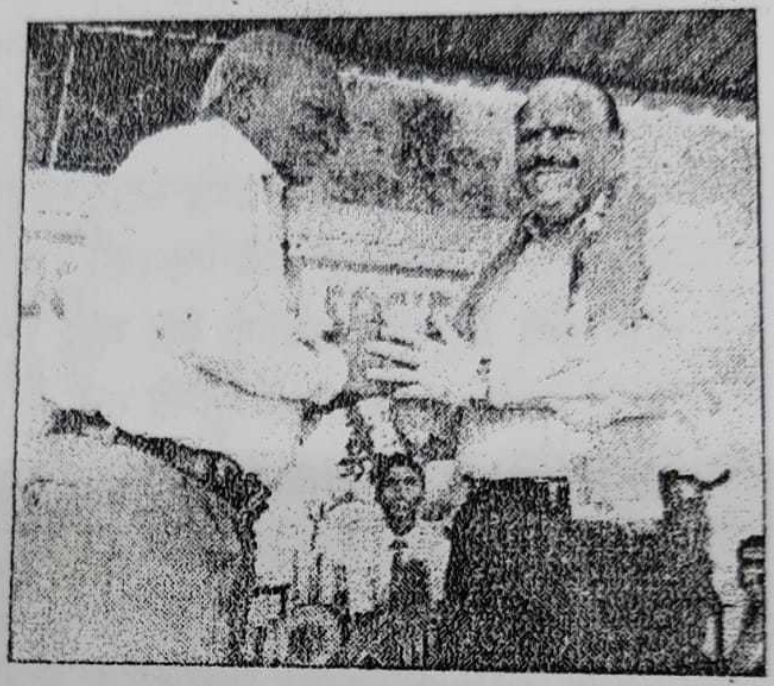

पल पल न्यूज: सिरसा, 10 सितंबर। भारत विकास परिषद के पर्यावरण व जल संरक्षण राष्ट्रीय प्रभारी रमेश गोयल नाथद्वारा (राजस्थान) का 10 दिवसीय भ्रमण करके वापस आ गए हैं। श्रीमद् भागवत कथा के धार्मिक आयोजन में सम्मिलित जल स्टार रमेश गोयल ने नाथद्वारा के अपने प्रवास में वहां के 9 विभिन्न विद्यालयों में जा जाकर लगभग 5 हजार विद्यार्थियों व शिक्षकों को जल की महता, कमी के कारण व जल बचत के उपायों पर जानकारी दी। भाविप मेवाड़ उदयपुर शाखा द्वारा आयोजित गुरू वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम में लगभग एक हजार विद्यार्थियों व शिक्षकों को मुख्य अतिथि के रूप में आयोजन के महत्व के साथ-साथ जल बचत की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। नागरिकों के अतिरिक्त देश के विभिन्न स्थानों से आने वाले अनेक श्रद्धालुओं को भी भेंट की। पर्यावरण एवम जल संरक्षण अभियान सम्बन्धी बैनर भी स्कूलों, कथा स्थल व भोजनालय में लगवाये। इसी प्रकार के कथा आयोजनों में गोयल 2013 में रामेश्वरम, 2014 में उज्जैन व 2015 में वाराणसी में अपने मिशन पर कार्य करते हुए अनेक स्कूलों में जाकर आए थे। हर बार कथा मंच से भी देश के

जल की बचत आज की सबसे

पल पल न्यूजः सिरसा, 8 मई। पर्यावरणविद व जल स्टार रमेश गोयल ने गत दिवस सरस्वती सीनियर सैकेन्डरी स्कूल जैतो (पंजाब) के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए जल के महत्व, अनिवार्यता, बर्बादी के कारणों पर प्रकाश डाला और जल बचत की आवश्यकता व उपाय बताये। उन्होंने जल बचाने के साथ-साथ बिजली व धन बचाने की भी जानकारी दी तथा स्वच्छता के लिए खुल्ले में कूड़ा-कर्कट न डालने के साथ-साथ पेड़ बचाने के लिए कागज बेकार न करने व पिछले साल की कॉपियों में से खाली कागज निकाल कर कापी तैयार करने का उपाय भी बताया। गोयल जैतों अपने निजी कार्य से कुछ देर के लिए गए थे परन्तु पास ही स्कूल देखकर जाते हैं प्रधानाचार्या मधु कालड़ा से समारोह मिलकर अपने मिशन के बारे में और व बताया। प्रधानाचार्या ने तुरन्त विद्याल सैकड़ों बच्चों को एक हाल में थे।

पेज एक के शेष

8 मई

अभी नहीं संभले तो राशन से मिलेगा पानी: गोयल

पल पल न्यूज: सिरसा, 12 मई। पर्यावरणविद एवं भाविप के क्षेत्रीय मन्त्री, सेवा प्रकल्प (पूर्व राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण) रमेश गोयल ने श्री गंगानगर की भारत विकास परिषद प्रताप शाखा के तत्वावधान में राजकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, साहुवाला (श्री गंगानगर) में आयोजित जल-उर्जा संरक्षण संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों व शिक्षकों को पर्यावरण तथा जल उर्जा संरक्षण, आवश्यकता व उपाय के विषय में विस्तार से बताया। अध्यक्षता ान्तीय संगठन मन्त्री सीए शशी भूतरा ने की। इस वसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण तथा परिषद के ान्तीय पर्यावरण संयोजक विश्व बन्धु गुप्ता तथा ाप शाखा के सचिव भी उपस्थित थे। विद्यालय ओर से मनीष लढ़ा ने सबका अभिनन्दन व ानाचार्या ने आभार व्यक्त किया। मुख्य शाखा गंगानगर के तत्वावधान में इसी प्रकार जैन टीआई में संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी डॉ. लाल कुक्कड़ ने अध्यक्षता की। शाखा राजेन्द्र चावला, कॉलेज शिक्षक व ी उपस्थित थे। गोयल ने छोटे-छोटे ों के साथ पर्यावरण के सभी पहलुओं जल-उर्जा संरक्षण, प्रदूषण की रोकथाम, स्वच्छता, पौधारोपन आदि पर प्रकाश डाला। नदी-नहर किनारों के साथ-साथ वाटर हारवैस्टिंग सिस्टम यदि भरपूर संख्या में बनाए जायें तो जल भूमिगत होगा और बाढ़ का प्रकोप भी घटेगा। उन्होंने बताया कि बाढ़ में घिरे लोगों को भी हेलीकाप्टर के माध्यम से पेय जल पहुंचाया जाता है क्योंकि बाढ़ का पानी गन्दा होता है व जीवन रक्षक नहीं है। जीवन उपयोगी जल कुल उपलब्ध जल का मात्र 1 प्रतिशत है और उसी की बचत की हम प्रतिदिन न केवल चर्चा करते हैं बल्कि जन जागरण अभियान भी चलाए हुए हैं। पानी बचत के छोटे-छोटे उपाय बताते हुए उन्होंने कहा कि यदि हम इसी प्रकार जल बर्बाद करते रहे तो अगली पीढ़ी को यानि 20-25 वर्ष बाद पानी सीधे टुंटी में मिलने की बजाय राशन में मिलने लगेगा। धन संचय से भी जल बचत व संचय अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। खेत में भी आवश्यकतानुसार ही पानी लगाएं तथा धान की खेती नई तकनीक से सामान्य फ़सल की तरह करें। परिषद की ओर से शाल ओढ़ा कर व संस्थान की ओर से स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया गया। संस्थान निदेशक राहुल जैन ने गोयल व भाविप का आभार व्यक्त किया।

पल पल हरियाणा 13 मई 2016

दिन में जलती स्ट्रीट लाइट ऊर्जा बचत अभियान पर धब्बा: गोयल

पल पल न्यूज: सिरसा, 30 अप्रैल। हरियाणा सरकार द्वारा ऊर्जा संरक्षण अधिनियम 2001 के अधीन प्रदेश में बिजली के के बाद तथा शाम को सूर्यास्त से पूर्व ही स्ट्रीट लाइटें जलती रहती हैं। कई बार दिन भर ये लाइटें सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को निर्देश दें कि अपने कमरे से बाहर निकलते हुए लाइट

विश्व पृथ्वी दिवस" पर विचार करते-रमेश गोयल

प्रैल को हजारों महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों ने पर्यावरण रक्षण पर प्रदूषण के विरूद्ध प्रदर्शनों का साधारण आयोजन किया और 1990 तक में जागृत श्व भर में सेमिनार, आदि ते हैं। नेल्सन शिक्षा के की गई 92 देशों ता है। एड्डी स के भूमिका उनके पृथ्वी पहले 1 मार्च मेयर । 22 स को

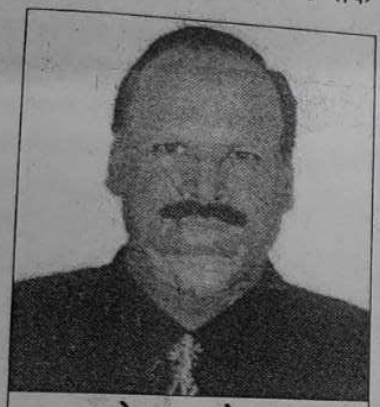

रमेश गोयल
बीएम-19, शालीमार बाग

पूरी दुनियां जुड़ गई व 1992 में संयुक्त राष्ट्र पृथ्वी सम्मेलन का आयोजन हुआ और **'वैश्विक तापमान'** व **'स्वच्छ उर्जा'** विषय को प्रोत्साहित करते हुए इसे अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता मिल गई। 2007 का पृथ्वी दिवस सबसे महत्वपूर्ण रहा जिसमें करोड़ों लोगों ने विश्व स्तर पर इसमें भाग लिया।

1978 में संयुक्त राष्ट्र में घोषणा की गई कि "पृथ्वी दिवस पहला पवित्र दिन है जो सभी राष्ट्रीय सीमाओं को पार करता है, फिर भी सभी भौगोलिक सीमाओं को अपने आप में समाये हुए हैं। सभी पर्वत, महासागर और समय की सीमाएं इसमें सम्मिलित हैं और पूरी दुनिया को एक आवाज से बांध देता है। यह प्राकृतिक सन्तुलन को बनाए रखने के लिए समर्पित है फिर भी पूरे ब्रह्मांड मे तकनीक समय मापन और तुरंत संचार को कायम रखता है।" संयुक्त राष्ट्र में पृथ्वी दिवस का आयोजन अर्थ सोसायटी फाउंडेशन द्वारा किया जाता है। अमेरिका में इसे 21 मार्च को भी मनाया जाता है जब दिन-रात बराबर होते हैं।

पृथ्वी शब्द जिसमें जल, हरियाली, वन्यप्राणी, प्रदूषण और अन्य सम्बन्धित कारक भी हैं। पृथ्वी को बचाने के लिए केवल एक दिन हीं क्यों निर्धरित हो। यह प्रयास तो सतत् निरन्तर चलते रहना चाहिए। प्राकृतिक संसाधन हमें पूर्वजों से मिली सम्पत्ति नहीं जिसे हम मनमाने ढंग से प्रयोग करें बल्कि वे आगामी पीढ़ियों की धरोहर के रूप में हैं और हम उनके ट्रस्टी मात्र हैं यानी जैसी मिली उसे आगे सौपना है जबकि वर्तमान पीढ़ी इसके विपरीत कार्यरत है और सभी प्रकार के संसाधनों का अति दोहन कर रही है जिसके कारण वैश्विक तापमान बढ़ रहा है और जलवायु परिवर्तन हो रहा है।

राजस्थान में जल-उर्जा बचत का संदेश देते हुए - रमेश गोयल

गर्मी और जल पर विचार- रमेश गोयल

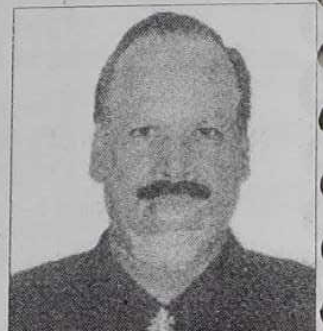

पर्यावरणविद् जल स्टार रमेश गोयल ने कई राज्यों का तापमान 50 डिग्री से उपर हो जाने पर चिन्ता व्यक्त करते हुए जनता से अपील की है कि पशु पक्षी तथा वृद्ध व बच्चों का विशेष ध्यान रखें। पानी का सेवन अधिक से अधिक मात्रा में करें। उन्होने

पावन संसार
24-31 मई

जल चालीसा को इंडिया बुक आफ रिकार्ड में मिला स्थान

जासं, सिरसा : जल संरक्षण का संदेश देने वाले रमेश गोयल द्वारा अप्रैल 2012 में लिखी जल चालीसा को इंडिया बुक आफ रिकार्ड में स्थान मिला है। जल संरक्षण के लिए लिखी गई प्रमुख कविता व सर्वाधिक प्रकाशन के रूप में मान्यता दी गई है। उल्लेखनीय है इंडिया बुक आफ रिकार्ड केंद्र सरकार के पास पंजीकृत है और एशिया बुक आफ रिकार्ड्स से संबंधित है। जल चालीसा लिखने वाले रमेश गोयल ने बताया कि जल चालीसा की 2012 से सितंबर 2019 तक 60 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। 10 लाख से अधिक लोगों को इंटरनेट मीडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी हैं। जलशक्ति मंत्रालय की मासिक पत्रिका जल चर्चा के दिसंबर 2019 के अंक में पिछले बाहरी टाइटल पर जल चालीसा प्रकाशित की गई थी। जलशक्ति मंत्रालय ने भी इसे जल संरक्षण का पूर्ण संदेश माना है। राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुकी जल चालीसा को अनेक समाचार पत्र व पत्रिकाओं ने भी प्रकाशित किया है। अंतरराष्ट्रीय न्यूज चैनल डीडी न्यूज तथा डीडी किसान ने अगस्त 2015 में इस पर विशेष फीचर प्रसारित किया था। चालीसा के गायन वीडियो का विमोचन ओडिशा के राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने किया था। जल चालीसा का भूना हरियाणा में 2015, आगरा उत्तरप्रदेश में 2017 व फरीदाबाद में मार्च 2021 सहित देश के अनेक स्थानों पर सामूहिक गायन भी हुआ है।

रमेश गोयल।
● जागरण आर्काइव

जल संरक्षण के प्रति प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होने की जरूरत: रमेश गोयल

पल पल न्यूज: सिरसा, 1 जुलाई। प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात का अभिनन्दन करते हुए जल स्टार रमेश गोयल ने कहा कि पानी की कमी विश्वव्यापी समस्या बनी हुई है और भारत में यह तीव्र गति से आगे बढ़ रही है। मन की बात में चिन्ता व्यक्त करते हुए प्रधानमन्त्री ने जनता से न केवल प्रतिदिन जल बर्बाद न करने की अपील की है बल्कि वर्षाजल संग्रहण पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया है। जल स्टार के नाम से देश भर में विख्यात गोयल, जो विगत 11 वर्षों से जल संरक्षण अभियान चला रहे है और प्रत्यक्ष सम्बोधन तथा रेडियो, टी वी, अखबार आदि के माध्यम से लगभग एक करोड़ लोगों को जल संरक्षण सन्देश दे चुके है, ने जनता से इस अभियान में भागीदार बनकर इसे जन आन्दोलन बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

संरक्षण पर निरन्तर प्रयासरत है और जल बचत से स्वतः होने वाले बिजली बचत, धन बचत व विकास के बारे में भी प्रकाश डालते हुए प्रदूषण की रोकथाम, वृक्ष बचाने, स्वच्छता के लिए छोटे छोटे उदाहरणों से समझाते हुए जल संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करते रहते है। बढ़ते प्रदूषण के कारण तापमान बढ़ रहा है जिससे जलवायु परिवर्तन हो रहा है और वर्षा कम हो रही है या अति वर्षा होती है। अति वर्षा से बाढ़ के रूप में नुकसान होता है तथा कम वर्षा के

जिसके कारण भूजल दोहन बढ़ रहा है जो चिन्तनीय स्थिति तक पहुंच गया है। मिशन भाव से कार्यरत गोयल द्वारा रचित जल चालीसा, जो जल संरक्षण का पूर्ण सन्देश है और राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुकी है, की दिसम्बर 2018 तक 55000 प्रतियां प्रकाशित हो चुकी है और लगभग 10 लाख लोगों को सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी है। गोयल न केवल समर्पित भाव से जल संरक्षण में लगे है बल्कि पौधारोपण व वृक्ष बचाने, जल व ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण की रोकथाम व स्वच्छता के निमित छोटी छोटी बातों से जनता को पर्यावरण एवं जल संरक्षण का सन्देश समय समय पर देते रहते है। उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में नगर में एक जल संरक्षण जागरूकता रैली के साथ जनसभा प्रस्तावित है जिसमें पूरे जिला से

म जयशकर ➤शेष पेज 2 पर... इमरान ने कहा, हम आतंक के 40 आतंकी संगठन संचालित हो अहम

आयकर दिवस पर हुआ 'रन फॉर टैक्स' का आयोजन

पल पल न्यूजः सिरसा, 24 जुलाई। आयकर विभाग की ओर से आज आयकर दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष्य में आयकर विभाग के सिरसा रेंज, सिरसा के संयुक्त आयकर आयुक्त हेमंत गुप्ता के निर्देशानुसार प्रातः 6 बजे सेक्टर -20, हुडा स्थित आयकर कार्यालय से टैक्साथन 'रन फॉर

टैक्स' का आयजन किया गया। यह दौड़ आयकर कार्यालय से शुरू होकर बरनाला रोड, स्टेडियम से चौधरी देवी लाल पार्क से होते हुए बाइपास रोड, अजय विहार, सेक्टर 20 स्थित ➤शेष पेज 2 पर...

रण को शद्ध किया जा सकता है: चोपड़ा

जल सरंक्षण के लिए, जल स्टार रमेश गोयल ने लिखा पत्र

कर्मदाता न्यूज नेटवर्क

सिरसा (दंदीवाल)। भारत सरकार द्वारा 'हर घर नल-हर घर जल' नीति आरम्भ करने का अभिनन्दन करते हुए भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय कार्यकर्ता जल स्टार रमेश गोयल ने भारत सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि हर नल पर टुंटी अनिवार्य हो। हरियाणा के ग्रामीण अंचल में दिये गए जल कनैक्शन पर सामान्यत: टुंटी नहीं लगाते और प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद होता है। टुटी लगवाने के लिए सरकार द्वारा अलग अभियान चलाने के बावजूद स्थिति सन्तोषजनक नहीं है।श्री गोयल ने बताया कि उनके द्वारा लिखित ''बिन पानी सब सून' पुस्तक'' जिसका विमोचन हरियाणा के राज्यपाल श्री जगन्नाथ पहाड़िया ने मई 2010 मं किया था, में उन्होंने सरकार के ध्यानार्थ लिखा था कि–अधिक पानी व्यय करने वालों पर अधिक शुल्क लगाया जाए। सर्विस स्टेशनों व व्यवसायिक रूप से अधिक पानी खपत वाले प्रतिष्ठानों पर रिचार्जर लगवाना अनिवार्य किया जाए।,जल संसाधनों का निजीकरण न होने दिया जाए। जल स्तर वाले क्षेत्र में भूजल दोहन पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया जाए।जन जागरण के लिए जल बचत मेले आयोजित किए जाएं और जनता को जल बचत सम्बन्धी पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जाए।उल्लेखनीय है कि श्री गोयल जल संरक्षण पर निरन्तर प्रयासरत हैं और जल बचत से स्वत: होने वाले बिजली बचत, धन बचत व विकास के बारे में भी प्रकाश डालते हुए प्रदूषण की रोकथाम, वृक्ष बचाने, स्वच्छता के लिए छोटे छोटे उदाहरणों से समझाते हुए जल संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करते रहते हैं।

जल शक्ति अभियान को लेकर कालेज में कार्यक्रम का आयोजन

पल पल न्यूज: ऐलनाबाद, 11 सितंबर (स्वामी)। सीआरडीएवी. कन्या महाविद्यालय, ऐलनाबाद में जल शक्ति अभियान के अंतर्गत सुमित्रा शर्मा की देख-रेख में एक कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यातिथि रमेश गोयल वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राम किशन खोथ जो कि राज्यस्तरीय जल स्टार अवार्ड से सम्मानित है के द्वारा किया गया। रमेश गोयल ने जल संरक्षण विषय पर गहनता से चर्चा की और छात्राओं को जल के महत्व व उसको सुरक्षित संचित कैसे किया जाए के बारें में विस्तार से बताया और गर्मी बढ़ने का कारण जल प्रदूषण आदि को बताया। वैशिवक स्तर पर तापमान बढ़ रहा है इसका कारण प्रदूषण को बताया और बहुत से उदाहरण दिए जिससे हम पानी को व्यर्थ होने से बचा सकते है। राम किशन खोथ ने छात्राओं को बताया कि हमे पानी को बचाने के बारे में सिर्फ कहना ही नही है वास्तव में पानी को बचाने के प्रयास करने है। हम 4 डब्ल्यू का सम्मान करना चाहिए। वाटर, वेस्ट, वुमेन और वर्क अगर हम इसका सम्मान करेगें तो जीवन स्वस्थ व निरोगी होगा। महाविद्यालय प्राचार्य डा. बूटा सिंह ने बताया कि पानी को सुरक्षित रखने का कार्य आज से ही नही 15 वी. सदी से पानी को बचाने की चर्चा होती रही है, गुरूनानक देव जी ने पानी को पिता की संज्ञा दी थी। पानी ही जीवन है, पानी ही सृष्टि है। पानी नही तो सृष्टि का अन्त होने मे समय नही लगेगा। बी.एड. महाविद्यालय के प्राचार्य डा. कृष्ण कांत ने छात्राओं को पानी के महत्व के बारे मे बताया। पानी को बचाने से बिजली बचेगी, बिजली बचेगी तो सरकार का धन बचेगा और उस धन से नई योजनाएं शुरू की जाएगी। सुमित्रा शर्मा ने छात्राओं को पानी बचाने का संकल्प दिलवाया और बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चुनावी घोषणा पत्र मे यह घोषणा की थी कि 2024 तक हर घर में पीने का पानी नल के द्वारा पहुचांएगें। जल को सुरक्षित रखने की विधियों के बारे मे बताया और कहा कि छोटे-छोटे बदलाव करके हम पानी को बचा सकते है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डा.विशाल सैनी दीपशिखा, हरप्रीत कौर, कविता देवी, सीमा चलाना, करण कुमार, सतपाल मेहता, सुमित्रा शर्मा, कवंलजीत कौर,कमलजीत कौर, प्रभजोत कौर,सीमा ज्याणी, गगनदीप कौर,रेणु, सुरेंद्र, नीरज बंसल,अमनदीप सिंह, गुरविंद्र कौर, सचिन तनेजा, नेहा शर्मा व अन्य गैर-शैक्षणिक सदस्य भी मौजूद थे।

कन्या महाविद्यालय में जल शक्ति अभियान के अन्तर्गत कार्यक्रम आयोजित

ऐलनाबाद, 11 सितंबर (जगतार समालसर): सी.आर.डी.ए.वी. कन्या महाविद्यालय, ऐलनाबाद में जल शक्ति अभियान के अंतर्गत सुमित्रा शर्मा की देखरेख में एक कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि रमेश गोयल वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राम किशन खोथ जो कि राज्यस्तरीय जल स्टार अवार्ड से सम्मानित है के द्वारा किया गया। रमेश गोयल ने जल संरक्षण विषय पर गहनता से चर्चा की और छात्राओं को जल के महत्व व उसको सुरक्षित संचित कैसे किया जाए के बारें में विस्तार से बताया और गर्मी बढ़ने का कारण जल प्रदूषण आदि को बताया। वैश्विक स्तर पर तापमान बढ़ रहा है इसका कारण प्रदूषण को बताया और बहुत से उदाहरण दिए जिससे हम पानी को व्यर्थ होने से बचा सकते है। राम किशन खोथ ने छात्राओं को बताया कि हमे पानी को बचाने के बारे में सिर्फ कहना ही नही है वास्तव में पानी को बचाने के प्रयास करने है। हम 4 डब्ल्यू का सम्मान करना चाहिए। वाटर, वेस्ट, वुमेन और वर्क अगर हम इसका सम्मान करेंगे तो जीवन स्वस्थ व निरोगी होगा। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. बूटा सिंह ने बताया कि पानी को सुरक्षित रखने का कार्य आज से ही नही 15वी. सदी से पानी को बचाने की चर्चा होती रही है, गुरूनानक देव जी ने पानी को पिता की संज्ञा दी थी। पानी ही जीवन है, पानी ही सृष्टि है। पानी नही तो सृष्टि का अन्त होने मे समय नही लगेगा। बी.ऐड. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कान्त ने छात्राओं को पानी के महत्व के बारे मे बताया। पानी को बचाने से बिजली बचेगी, बिजली बचेगी तो सरकार का धन बचेगा और उस धन से नई योजनाएं शुरू की जाएगी। अंत में सुमित्रा शर्मा ने छात्राओं को पानी बचाने का संकल्प दिलवाया और बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने चुनावी घोषणा पत्र मे यह घोषणा की थी कि 2024 तक हर घर में पीने का पानी नल के द्वारा पहुचांएगें। जल को सुरक्षित रखने की विधियों के बारे मे बताया और कहा कि छोटे-छोटे बदलाव करके हम पानी को बचा सकते है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. विशाल सैनी दीपशिखा,हरप्रीत कौर, कविता देवी, सीमा चलाना, करण कुमार, अन्जु रानी, सतपाल मैहता, सुमित्रा शर्मा, कवंलजीत कौर, कमलजीत कौर, प्रभजोत कौर, सीमा ज्याणी, गगनदीप कौर, रेणु, सुरेन्द्र, नीरज बंसल, अमनदीप सिंह, गुरविन्द्र कौर, सचिन तनेजा, नेहा शर्मा व अन्य गैर-शैक्षणिक सदस्य भी मौजूद थे।

मुख्यातिथि को सम्मानित करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य। (छाया : समालसर)

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
12-Sep-2019
Page: 6
http://www.ajitsamachar.com/20190912/25/6/1_1.cms

कन्या महाविद्यालय में जल शक्ति अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

कालेज प्रबंधक रमेश गोयल व राम किशन खोथ को सम्मानित करते हुए वआयोजित कार्यक्रम में छात्राओं से चर्चा करते अतिथि। (विक्टर)

ऐलनाबाद, 11 सितम्बर (विक्टर): शहर के सी.आर.डी.ए.वी. कन्या महाविद्यालय में जल शक्ति अभियान के अन्तर्गत सुमित्रा शर्मा की देख-रेख में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि राज्यस्तरीय जल स्टार अवार्ड से सम्मानित रमेश गोयल एवं राम किशन खोथ ने किया। रमेश गोयल ने जल संरक्षण विषय पर गहनता से चर्चा की और छात्राओं को जल के महत्व व उसको सुरक्षित संचित कैसे किया जाए के बारे में विस्तार से बताया और गर्मी बढ़ने का कारण जल प्रदूषण आदि को बताया। वैश्विक स्तर पर तापमान बढ़ रहा है, इसका कारण प्रदूषण को बताया और बहुत से उदाहरण दिए जिससे हम पानी को व्यर्थ होने से बचा सकते हैं। राम किशन खोथ ने छात्राओं को बताया कि हमें पानी को बचाने के बारे में सिर्फकहना ही नहीं है वास्तव में पानी को बचाने के प्रयास करने है। हम 4 डब्ल्यू का सम्मान करना चाहिए। वाटर, वेस्ट, वूमैन और वर्क अगर हम इसका सम्मान करेंगे तो जीवन स्वस्थ व निरोगी होगा। महाविद्यालय प्राचार्य डा. बूटा सिंह ने बताया कि पानी को सुरक्षित रखने का कार्य आज से ही नहीं 15वीं. सदी से पानी को बचाने की चर्चा होती रही है। गुरुनानक देव जी ने पानी को पिता की संज्ञा दी थी। पानी ही जीवन है, पानी ही सृष्टि है। बी.एड. महाविद्यालय के प्राचार्य डा. कृष्ण कान्त ने छात्राओं को पानी के महत्व के बारे मे बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डा. विशाल सैनी, दीपशिखा, हरप्रीत कौर, कविता देवी, सीमा चलाना, करण कुमार, अंजू रानी, सतपाल मेहता, सुमित्रा शर्मा, कंवलजीत कौर, कमलजीत कौर, प्रभजोत कौर, सीमा ज्याणी, गगनदीप कौर, रेणु, सुरेंद्र, नीरज बंसल, अमनदीप सिंह, गुरविंद्र कौर, सचिन तनेजा, नेहा शर्मा व अन्य गैर-शैक्षणिक सदस्य भी मौजूद थे।

कालेज छात्राओं को बताया जल संरक्षण का महत्व

जागरण संवाददाता, सिरसा: सीआरडीएवी महिला महाविद्यालय ऐलनाबाद में जल शक्ति अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि एडवोकेट रमेश गोयल एवं रामकिशन ने किया। एडवोकेट रमेश गोयल ने जल संरक्षण विषय पर चर्चा की और छात्राओं को जल के महत्व व उसको सुरक्षित, संचित कैसे किया जाए के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर तापमान बढ़ रहा है इसका कारण प्रदूषण है। राम किशन खोथ ने कहा कि हमें पानी को बचाने के बारे में सिर्फ कहना ही नहीं है वास्तव में इसे संरक्षित करने के प्रयास करने हैं। वाटर, वेस्ट, वुमेन और वर्क का अगर हम सम्मान करेंगे तो जीवन स्वस्थ व निरोगी होगा। महाविद्यालय प्राचार्य डा. बूटा सिंह ने कहा कि पानी को सुरक्षित रखने का कार्य आज से नहीं बल्कि 15वीं सदी से चर्चा होती रही है। बीएड महाविद्यालय के प्राचार्य डा. कृष्णकांत ने कहा कि पानी को बचाने से बिजली बचेगी, बिजली बचेगी तो सरकार का धन बचेगा अंत में सुमित्रा शर्मा ने छात्राओं को पानी बचाने का संकल्प दिलवाया।

इस अवसर पर प्राध्यापक डा. विशाल सैनी, दीपशिखा, हरप्रीत कौर, कविता देवी, सीमा चलाना, करण कुमार, अंजू रानी, सतपाल मेहता, सुमित्रा शर्मा, कंवलजीत कौर, कमलजीत कौर, प्रभजोत कौर, सीमा ज्याणी, गगनदीप कौर, रेणु, सुरेंद्र, नीरज बंसल, अमनदीप सिंह, गुरविन्द्र कौर, सचिन तनेजा, नेहा शर्मा मौजूद थे।

कार्यक्रम में एडवोकेट रमेश गोयल को सम्मानित करते कालेज प्राचार्य। • जागरण

जल सरंक्षण के लिए, जल स्टार रमेश गोयल ने लिखा पत्र

कर्मदाता न्यूज नेटवर्क

सिरसा (दंदीवाल)। भारत सरकार द्वारा 'हर घर नल–हर घर जल' नीति आरम्भ करने का अभिनन्दन करते हुए भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय कार्यकर्ता जल स्टार रमेश गोयल ने भारत सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि हर नल पर टुंटी अनिवार्य हो। हरियाणा के ग्रामीण अंचल में दिये गए जल कनैक्शन पर सामान्यत: टुंटी नहीं लगाते और प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद होता है। टुटी लगवाने के लिए सरकार द्वारा अलग अभियान चलाने के बावजूद स्थिति सन्तोषजनक नहीं है।श्री गोयल ने बताया कि उनके द्वारा लिखित ''बिन पानी सब सून' पुस्तक'' जिसका विमोचन हरियाणा के राज्यपाल श्री जगन्नाथ पहाड़िया ने मई 2010 मं किया था, में उन्होंने सरकार के ध्यानार्थ लिखा था कि–अधिक पानी व्यय करने वालों पर अधिक शुल्क लगाया जाए। सर्विस स्टेशनों व व्यवसायिक रूप से अधिक पानी खपत वाले प्रतिष्ठानों पर रिचार्जर लगवाना अनिवार्य किया जाए।,जल संसाधनों का निजीकरण न होने दिया जाए। जल स्तर वाले क्षेत्र में भूजल दोहन पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया जाए।जन जागरण के लिए जल बचत मेले आयोजित किए जाएं और जनता को जल बचत सम्बन्धी पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जाए।उल्लेखनीय है कि श्री गोयल जल संरक्षण पर निरन्तर प्रयासरत हैं और जल बचत से स्वत: होने वाले बिजली बचत, धन बचत व विकास के बारे में भी प्रकाश डालते हुए प्रदूषण की रोकथाम, वृक्ष बचाने, स्वच्छता के लिए छोटे छोटे उदाहरणों से समझाते हुए जल संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करते रहते हैं।

रमेश गोयल ने दी बच्चों को जल बचाने की जानकारी

सिरसा टुडे।

पर्यावरणविद एवं जल स्टार रमेश गोयल ने दिल्ली के वजीरपुर गांव में राजकीय सर्वोदय व.मा. सह शिक्षा विद्यालय में विद्यार्थियों को जल की कमी के कारणों, जल की महत्ता, बचाने की आवश्यकता तथा बचाने के उपायों के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि जल बचत से बिजली भी बचेगी जिससे धन भी बचेगा। जल बचत के छोटे छोटे उदाहरणों के साथ साथ छात्रों को सफाई की महत्ता व खुल्ले में कू ?ा न डालने के विषय में भी बताया। श्रीमती उषा ने उनका अभिनंदन किया तथा प्रधानाचार्या सुमन शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल विद्यालय, एच ब्लॉक अशोक विहार (1100 छात्र)

में भी विद्यार्थियों को संबोधित किया और छोटे छोटे उदाहरणों से छात्रों को जल की कमी के कारणो सहित जल संरक्षण के उपाय बताए। पर्यावरण एवं जल-ऊर्जा संरक्षण संबंधित पैम्फलेट भी विद्यार्थियों को वितरित किए गए ताकि परिजन व आसपास के लोगों को भी समझाया जा सके। उप प्राचार्य जे पी पांडे ने अभिनंदन किया और प्राचार्य एस पी सिंह ने इस पुनीत कार्य के लिए धन्यवाद किया। दिल्ली के अनेक विद्यालयों में जल संरक्षण संदेश के बाद सिरसा लौटे श्री गोयल ने बताया कि श्री सिंह ने जल चालीसा बच्चों को याद कराकर सामुहिक गायन कराने का विश्वास दिलाया।

उल्लेखनीय है कि श्री गोयल अब तक देश भर में लगभग 4 लाख विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों में जाकर सम्बोधित कर चुके हैं तथा टीवी चैनलों, रेडियो, समाचार पत्रों, पम्फलेट व सार्वजनिक स्थानों पर बैनरों के माध्यम से लगभग एक करो ? लोगों को जल संरक्षण संदेश दे चुके हैं।

@gmail.com ❖ सपर्क 9650402250, 09013906222 ❖ आप देख रहे
की जातीय जनगणना की मांग ❖ आप के रिपोर्ट कार्ड के जवाब

विश्लेषण

दिल्ली विधानसभा चुनाव और संसाधन

रमेश गोयल

2015 की भांति आम आदमी पार्टी ने 2020 में पुनः बम्पर जीत प्राप्त की है और 90 प्रतिशत सीटें लगातार दूसरी बार जीत कर सम्भवतः विश्व रिकार्ड बनाया है। आप के इस मास्टर स्ट्रोक के मुख्य कारण 1. मुफ्त बिजली, 2. मुफ्त पानी, 3. मोहल्ला क्लीनिक 4. अच्छी शिक्षा व्यवस्था, 5. गली गली में सीसीटीवी 6. मुफ्त वाई.फाई 7. भ्रष्टाचार पर अंकुश 8. झुग्गी वालों को मकान, 9. आड-ईवन स्कीम 10. महिलाओं को फ्री बस सेवा आदि रहे हैं। निश्चित रूप से शिक्षा के क्षेत्र में केजरीवाल सरकार का कार्य अत्यंत सराहनीय है। सरकारी स्कूलों की व्यवस्था में बहुत सुधार हुआ है। जल बचत अभियान के नाते मैं दिल्ली के कई सरकारी स्कूलों में गया हूं। सुन्दर व्यवस्था के कारण कई विद्यालय तो लगते ही नहीं कि सरकारी विद्यालय है। निजी विद्यालयों की मनमर्जी व लूट के विरूद्ध जो अभियान इन्होंने चलाया था उससे भी दिल्लीवासियों विशेषकार मध्यमवर्ग को बहुत सुकुन मिला। बेशक दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा निजी विद्यालयों के हक में निर्णय देने के कारण सरकार उसमें सफल न हुई हो। मोहल्ला क्लीनिक, झुग्गी की जगह मकान, प्रदूषण पर रोकथाम का प्रयास, सीसीटीवी कैमरों का लगाना आदि ने भी आम आदमी पार्टी का कद बढ़ाया है और वर्तमान जीत में इन सबका भी योगदान रहा है।

पर्यावरण व जल संरक्षण कार्यकर्ता होने के नाते मेरे विचारानुसार जो बात समाज व राष्ट्रहित में नहीं है वह है मुफ्त बिजली व पानी तथा बस यात्रा। चुनाव में बम्पर जीत में यद्यपि इसका बहुत बड़ा योगदान रहा है। राष्ट्रव्यापी पानी की कमी की समस्या से दिल्ली भी अछुती नहीं है और डे जीरों के 21 शहरों की सूची में दिल्ली दूसरे स्थान पर है। यदि दिल्ली में उच्चतम न्यायालय व केन्द्र सरकार न होती तो अब तक पानी के लिए बहुत हाहाकार मचा होता। यमुना को गन्दे नाले में परिवर्तित करने में भी दिल्लीवासियों का भरपूर योगदान है। पानी की कमी का इसलिए पता नहीं चलता कि लाखों की संख्या में समर्सिबल पम्प भूजल दोहन के लिए लगे हैं और आफ दी रिकार्ड होने के कारण प्रतिदिन होने वाले भूजल दोहन का कोई आंकड़ा भी उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में 20 हजार लीटर पानी मुफ्त देना न दिल्ली के हित में है न दिल्लीवासियों के और न राष्ट्रहित में। जल संरक्षण कार्यकर्ता होने के नाते प्रतिदिन लोगों से बूंद बूंद बचाने की अपील करता हूं। पूरे देश में पानी की कमी वाली स्थिति किसी से छुपी नहीं है और यह भी हर कोई जानता है कि मुफ्त में मिलने वाले माल का मुल्य (वैल्यु) कोई नहीं समझता। निश्चित रूप से दिल्लीवासियों के साथ यह अप्रत्यक्ष धोखा है और भविष्य में बड़ी त्रासदी को निमन्त्रण है। 2012 में भारत सरकार ने नई जल नीति बनाई थी और सभी प्रान्तों को पानी सप्लाई पर अंकुश लगाने, पानी मीटर लगाने व कुछ चार्ज करने के लिए निर्देश दिए थे ताकि पानी की खपत कुछ कम हो सके। ऐसे में मुफ्त पानी वह भी इतनी बड़ी मात्रा में किसी भी दृष्टि से उपयुक्त नहीं कहा जा सकता।

200 यूनिट बिजली मुफ्त, इसके बाद 400 यूनिट तक 50 प्रतिशत वह भी केवल किन्ही वंचित लोगों के लिए नहीं बल्कि उन सबके लिए भी है जिनकी आय लाखों रूपये मासिक है। इसे किसी भी रूप में सही नहीं ठहराया जा सकता। चुनाव के कुछ मास पूर्व ही वकीलों को सहयोग या सहानुभूति के रुप में उनके चैम्बर के लिए 200 यूनिट मुफ्त बिजली की घोषणा की गई। यह वोट के लिए रिश्वत दी गई या प्रलोभन क्योंकि जिस वकील ने चैम्बर ले रखा है वह साधारण स्तर का वकील नहीं हो सकता तो ऐसे में इस घोषणा का क्या अर्थ लेंगे। बिजली पर होने वाले खर्च में इस प्रकार से बढ़ोतरी जनहित में नहीं कही जा सकती। इसी आधार पर कुछ अन्य राज्यों के वकीलों ने भी अपनी सरकार में ऐसी ही छूट की मांग शुरू कर दी है यानि मुफ्त के माल की मांग प्रबल हो रही है। महिलाओं को बस में मुफ्त यात्रा से उनका कोई बहुत भला होगा, ऐसा नहीं है। केवल वोट की राजनीति के लिए ऐसा किया जाना ऐसे समय में प्रशंसनीय नहीं कहा जा सकता जब दिल्ली परिवहन निगम बहुत घाटे में चल रहा है। जनवरी 2020 में सूचना अधिकार अधिनियम के अधीन जानकारी में परिवहन विभाग की आय के आंकड़े इस प्रकार हैं:-

वर्ष	आय	व्यय
2014.15	1109.87	करोड़
	5101.33	करोड़
2015.16	1004.99	करोड़
	5700.91	करोड़
2016.17	0918.70	करोड़
	6300.81	करोड़
2017.18	2896.33	करोड़
	7275.51	करोड़
2018.19	2709.28	करोड़
	7968.43	करोड़

अब आप स्वयं सोचें कि यह सब जानते हुए भी इस प्रकार की घोषणाओं से राज्य के विकास कार्यों के लिए धन कैसे बचेगा। वोटों के लिए देश में इस प्रकार खजाना लुटाने पर प्रतिबन्ध होना चाहिए। निश्चित रूप से कोई भी पार्टी सख्ती नहीं कर सकती क्योंकि देश की जनता को अनेक वर्षों से मुफ्त का माल दे दे कर सरकारें बनती रही हैं। चुनाव आयोग या फिर उच्चतम न्यायालय ही इसका स्वयं संज्ञान लेकर राजनेताओं को दिशा निर्देश जारी कर सकता है।

लेख पर्यावरणविद व जल स्टार हैं।
-09416049757

गंगा को अविरल बहने दो, गंगा को निर्मल रहने दो:गंगा संसद

पल पल न्यूज: सिरसा, 17 फरवरी। उद्देश्य पूर्ति हेतु 'गंगा पीपल' के तत्वावधान में डा. भरत झुनझुनवाला, पूर्व प्रोफेसर आई.आई.एम बैंगलौर व उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता पी.एस.शारदा के संयोजन में इंडिया इन्टरनेशनल सैंटर दिल्ली में गंगा संसद का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न स्थानों से गंगा के प्रति श्रद्धा रखने वाले

कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। भरत झुनझुनवाला ने पूर्व में किए गए प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि गंगा नदी नहीं हम भारतीयों की मां है तथा श्रद्धा व आस्था का प्रतीक है और एक ज्ञापन प्रधानमन्त्री, जलशक्ति मन्त्री सहित सभी सांसदों को दिया गया है जिसमें यह मांग की गई है कि गंगा के बहाव में रूकावट पैदा करने वाले बांध न बनाएं जायें और उसकी पवित्रता का भी पूरा घ्यान रखा जाये। डा. मलिका भनोट ने पीपलज गंगा एक्ट की रूपरेखा बताई और सरकारी गंगा एक्ट का तुलनात्मक विश्लेषण किया। संकट मोचन फाउन्डेशन वाराणसी के अध्यक्ष प्रो. विश्वनाथ मिश्र ने गंगा प्रदूषण के कारण, अब तक किए गए प्रयास व हल बताते हुए बताया कि जब तक नगर परिषदों द्वारा गन्दगी गंगा में डालना बन्द नहीं होगा गंगा प्रदूषण यू ही जारी रहेगा। सरकार को इस विषय में विशेष ध्यान देना चाहिए। पर्यावरण प्रेरणा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार हरियाणा निवासी रमेश गोयल ने कहा कि गंगा हमारी आस्था व श्रद्धा का प्रतीक है इसलिए पूरे देश में मीडिया के माध्यम से इसे जन जन तक पहुंचाया जाये और देश के हर कोने से केन्द्र व सम्बन्धित सरकारों से यह मांग पत्र जाना चाहिए। देश के सभी शहरों के स्थानीय समाचार पत्रों की भी इसमें महवपूर्ण भूमि हो सकती है। अधिकाधिक सामाजिक व धार्मिक संगठनों से भी सम्पर्क किया जाना चाहिए। गुरूग्राम के आकाश जैन, वरिष्ठ समाजसेवी नीलम शर्मा, राज केशव ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम संयोजक पी.एस.शारदा ने भी इस प्रयास व संगठन की आवश्यकता के विषय में और गंगा जिसे देश की जनता ने नदी नहीं मां माना है उसे देश के कर्णधारों द्वारा एक नदी मानकर बांधों के माध्यम से खंडित करना व उसमें गन्दगी डालकर इतनी प्रदूषित कर देना कि जिस जल को सीधा पिया करते थे वह आज आचमन योग्य भी नहीं रह गया। उन्होंने बताया कि अधिकारी पेड़ काटते हुए लकड़ी की कीमत आंकते हैं। उसके पर्यावरणीय मूल्य नहीं देखते और इसी कारण जनहित में सही निर्णय नहीं होते। उन्होंने भ्रष्टाचार को परिभाषित करते हुए बताया कि गलत जानकारी देना व सही जानकारी छुपाना या केवल सरकार की इच्छानुसार रिपोर्ट देना या ठेकेदारों व कार्पोरेटस के हितों का ध्यान रखते हुए योजना बनाना भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। चाहे इसमें प्रत्यक्ष पेसों का लेनदेन न हो। कार्यक्रम का संचालन डा. ज्योति रैना ने बडे ही स्टीक टिप्पणीयों के साथ कुशलता पूर्वक किया।

जल संरक्षण- आज की आवश्यकता

पल पल न्यूज: सिरसा, 29 फरवरी। मनोहर मैमोरियल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, फतेहाबाद में ''जल संरक्षण- वर्तमान की आवश्यकता'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 28-29 फरवरी को निदेशालय उच्च शिक्षा हरियाणा के सौजन्य से आयोजित किया गया। उदघाटन सत्र में डीएवी कालेज भटिंडा के पूर्व प्राचार्य डा. जेएस आनन्द मुख्यअतिथि, चौ. देवीलाल वि.वि. के गणित विभागाध्यक्ष डा. असीम मिगलानी, प्रो दिलबाग सिंह (निदेशक विद्यार्थी कल्याण), वाणिज्यिक प्रशासन विभागाध्यक्ष डा. आरती गौड़, एमएम कॉलेज सोसायटी के सदस्य गुरनाम सिंह मंचासीन थे। इस दो दिवसीय सेमिनार में हरियाणा के अतिरिक्त पंजाब व राजस्थान से भी अनेक महाविद्यालयों के शोधार्थी भाग ले रहे हैं जो अपना शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे व विद्यार्थियों को जागरूक करेंगे। तकनीकी सत्र में एमएसएमडी कालेज बहावलपुर की प्राचार्या डा. शिक्षा गोयल ने अध्यक्षता की तथा पर्यावरण प्रेरणा दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल मुख्य

वक्ता थे। गोयल ने जल संरक्षण की आवश्यकता, जल की कमी व बचत के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने भारत के लातुर व चैन्नई में पानी खत्म होने के साथ साथ केपटाउन (साउथ अफ्रीका) में राशन पर पानी मिलने व आस्ट्रेलिया में पानी की कमी के कारण 5000 ऊंटों को गोली से मारने की चर्चा करते हुए भारत के 21 डे जीरो शहरों के विषय में भी बताया और कहा कि देश भर के लगभग 60 प्रतिशत जल ब्लाक डार्क जोन यानि खतरनाक स्थिति में आ चुके हैं। हम यह न समझें कि हमें तो पानी मिल रहा है इसलिए सुरक्षित हैं। अत्याधिक भूजल दोहन व कम जल संरक्षण के कारण जल की उपलब्धता निरन्तर कम होती जा रही है, जो हमारे जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा है। उन्होंने जल बचत व संग्रहण पर चर्चा की और टुंटी बेकार न चलने देने, नदी जल को दूषित न करने, आधा गिलास पानी डालने, अतिथियों के सामने व होटलों में पानी डालने की बजाय जग में पानी व खाली गिलास रखने, फ्लश में अधिक पानी न बहाने, कार-फर्श आदि पाइप से न धोने जैसे अनेक जल बचत उपाय बताये। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के प्रधान राजीव बत्रा, सचिव विनोद मेहता एडवोकेट व प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने सभी का अभिनन्दन किया व कार्यक्रम संयोजक डा. विजय गोयल ने आभार व्यक्त किया। डा.आरती गौड़, वी.के.प्रभाकर,हिसार, प्रो. सतीश कालड़ा ने भी अपने विचार रखे और जल संरक्षण के उपाय बताये। कुछ विद्यार्थी प्रतिनिधियों ने भी जल संरक्षण पर चर्चा की। इस अवसर पर एक स्मारिका का विमोचन किया गया तथा विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। मंच संचालन डा. गीतु व तान्या महता द्वारा किया गया।

की तुलना में आईएसआईएस तबाही मचाने की गतिविधियों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने में कहीं आगे है।

चेयरमैन ने 200 रुपए पेपर लेने व जमा

वरूण देवता का अपमान न करें : पर्यावरण प्रेरणा

पल पल न्यूज: सिरसा, 4 मार्च। शान्तिनगर सिरसा में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में बोलते हुए पर्यावरण प्रेरणा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल ने उपस्थित श्रद्धालुओं को बताया कि कथा सहित हर धार्मिक अनुष्ठान का शुभारम्भ कलश पूजन से होता है। वास्तव में यह पूजा कलश में भरे हुए जल की होती है। यानि जलपति के रूप में वरूणदेव की पूजा की जाती है और दूसरी ओर हम दिनभर पानी बर्बाद करके वरूण देव का अपमान करते रहते हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों विशेषकर मातृ शक्ति से अपील की कि पाइप लगाकर फर्श न धोएं, कपड़े धोते समय व बर्तन साफ करते समय अधिक पानी बर्बाद करना, टुंटी खुली चलने देना आदि प्रत्यक्ष रूप से वरूण देव का अनादर है। ऐसा न करें। उन्होंने जल की कमी के बारे में बताया कि केपटाऊन (साउथ अफ्रीका) में पानी राशन में मिलने लगा है वहीं आस्ट्रेलिया में पानी की कमी के कारण 5000 ऊंटों को गोली से मार दिया गया है क्योंकि ऊंट पानी बहुत पीता है। भारत में लातुर और चेन्नई में पानी खत्म होने व रेल टैंकरों द्वारा पानी सप्लाई करने की स्थिति बताते हुए उन्होंने चेताया कि यह न समझें कि हमारे यहां ऐसा नहीं हो सकता।

अधिकतर भूजल ब्लाक डार्कजोन में जा चुके हैं और यदि हम पानी ऐसे ही बर्बाद करते रहे तो हमारी आने वाली पीढ़ी को टुंटी खोलते ही पानी नहीं मिलेगा। पानी के बिना जीवन सम्भव नहीं है इसलिए जल बर्बाद न करने का संकल्प करें। गोलोक वासी स्वामी धर्मदेव (वृन्दावन वाले) के शिष्य कथा व्यास स्वामी जयदेव जी महाराज ने गोयल का अभिनन्दन किया और उनके इस प्रयास की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा पंडित राजकुमार ने जन समस्या के प्रति जागरूक करने के लिए आभार व्यक्ति किया।

GILL HOSPITAL

वारी व अन्य मौजूद थे।

जल जागरूकता रैली अप्रैल में : पर्यावरण प्रेरणा

पल पल न्यूज: सिरसा, 5 मार्च। पौधारोपण व वृक्ष रक्षण, जल ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण की रोकथाम, प्लास्टिक मुक्त राष्ट्र व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा के तत्वावधान में अप्रैल 2020 के तीसरे सप्ताह में सिरसा में एक जल संरक्षण जागरूकता रैली निकालने का निर्णय किया गया है जिसके संयोजक व कार्यक्रम अध्यक्ष रहेंगे संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल। संस्था की सिरसा शाखा के प्रधान नरेन्द्र सिंह धींगड़ा व सचिव सन्दीप खुराना ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अलग अलग विद्यालयों के विद्यार्थी नगर के विभिन्न बाजारों भादरा बाजार, हिसारिया बाजार, चान्दनी चौक, थाना बाजार, सदर बाजार, सरकुलर रोड़ से आने वाले विद्यार्थी इसमें मिलते जायेंगे और रोड़ी बाजार पुरानी सब्जी मंडी होते हुए जल संरक्षण व पर्यावरण का सन्देश देते हुए यह विशाल समूह नेहरू पार्क पहुंचेगा जहां नगर के प्रबुद्ध लोग इनका स्वागत करेंगे। जनसभा में जल का महत्व, अनिवार्यता, कमी के कारणों, बर्बादी कैसे और बचत के उपायों पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर जल संरक्षण पर कार्य कर रहे कुछ अन्य विशेष लोगों को भी इस रैली में आमन्त्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास है कि यह रैली एक स्थाई जागरूकता अभियान बन जाये। उन्होंने जिलावासियों से इसमें भागीदारी करने की अपील की तथा बताया कि मोबाइल 9416049757 पर सम्पर्क करके इस जन जागरण अभियान में तन मन धन से सहयोग कर सकते हैं।

Young India Organization, Sirsa

&

स्व. श्री सोहन लाल सोनी जी के परिवार के सहयोग से

जल संरक्षण

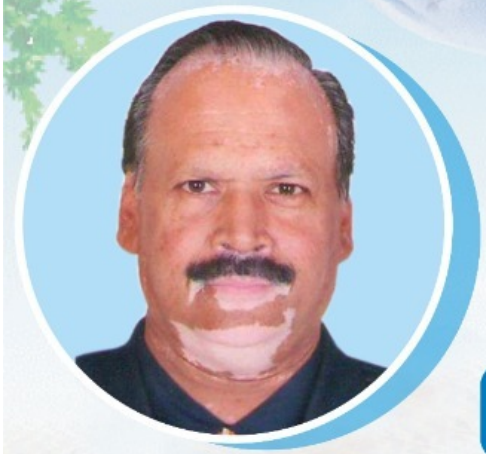

रमेश गोयल, एडवोकेट

जल स्टार, राष्ट्रीय अध्यक्ष, पर्यावरण प्रेरणा

Live Conversation

Ramesh Goyal

13 MAY | WEDNESDAY 6:13:13 PM

राजेंद्र सोनी

पवन सोनी

विनोद सोनी

प्रिंस सोनी

गौरव सोनी

मोहित सोनी

ऋषभ सोनी

भविष्य सोनी (भीम)

मोहित कम्प्यूटर्स एण्ड मोबाईल्स नोहरिया बाजार, सिरसा मो. 97292-11136, 97294-11136
Office :- 93506-93737 Email:- mohitsonisrs@gmail.com

गौरव ज्वलैर्स, नजदीक श्री गणेश मंदिर, नोहरिया बाजार, सिरसा ☎01666-231654

गौरव ज्वलैर्स, कॉर्नर गली धाना कटली वाली, नोहरिया बाजार, सिरसा ✆98132-63590, 87081-57307

KEY AMENTIES

- DivyaAngan Exquiste Banquet For 2000 pax
- The Celestial Splendid Banquet 200 pax
- Luxurious Luxmi Villas
- Premium Rooms
- Open To Sky Terrace Garden
- Lush Green Spacious Lawns 3 No.
- Exclusive Mandap For Pheras
- Ample Parking Space for 500 + Vehicles

THE GANGA GREENS
A Premium Luxury Banquet & Resort

• Weddings • Kitty Parties • Birthday Parties
• Premium Rooms • Luxmi Villa

NH-9, 9TH KM. STONE, SIRSA DABWALI ROAD, SIRSA-125055
For Bookings : 97298-00050, 94160-49149

दिल्ली न्यूज़ 7
सबके साथ सबकी बात
रविवार, 10 मई 2020 dillinews7editor@gmail.com www.dillinews7.com

भूजल स्तर पर धान की खेती

गिरते भूजल स्तर के मध्यनजर हरियाणा सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय कि करनाल, कैथल, जींद, कुरुक्षेत्र, अम्बाला, यमुनानगर व सोनीपत जिलों में सरकारी भूमि पट्टे पर लेकर किसान धान की खेती नहीं कर पायेंगे। जल स्टार रमेश गोयल ने अभिनन्दन करते हुए हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त किया है।

श्री गोयल ने बताया कि धान, गन्ना व तम्बाकु की खेती में अधिकतम पानी की आवश्यकता होती है और अधिक दोहन के कारण भूजल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। उन्होंने धान की खेती करने वाले किसान भाइयों अपील की है कि धान की रोपाई नई मशीनी तकनी से करें जिसमें पानी की बहुत बचत होती है। इसी प्रकार गन्ना की खेती की बजाय तिलहन, दलहन की खेती को प्रोत्साहित करें जिससे उन्हें भी लाभ होगा और पानी की बढ़ती कमी के कारण गिरता भूजल स्तर भी रूक पायेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी चीनी का कम प्रयोग ही श्रेष्ठकर है।

उन्होंने केन्द्र सरकार से तम्बाकु की खेती पर प्रतिबन्ध लगाने की मांग करते हुए कहा कि तम्बाकु जनित बीमारियों से बचने के उपायों व तम्बाकु प्रयोग न करने के विज्ञापनों पर ही सरकार अरबों रुपये खर्च कर देती है और उनके उपचार के लिए हजारों करोड़ रुपये का बजट होता है। तम्बाकु पर पूर्ण प्रतिबंध से जन धन दोनों की बचत होगी।

उन्होंने बताया कि हरियाणा के 119 जल ब्लॉकों में से अधिकतर ब्लॉक डार्क जोन में जा चुके हैं यानि खतरनाक स्थिति में हैं और भूजल स्तर निरन्तर गिरते जाने के कारण अन्य ब्लॉक भी उसी दिशा में बढ़ रहे हैं। भूजल कम से कम

रमेश गोयल
पर्यावरणविद् व जल स्टार

दोहन करने यानि जल बर्बाद न करने की अपील करते हुए श्री गोयल ने सरकार से अधिकाधिक वर्षा जल संग्रहण सिस्टम लगवाने का भी अनुरोध किया और कहा कि जल की कमी को दूर करने का यही एक मात्र साधन है।

उल्लेखनीय है कि श्री गोयल ने 12 वर्ष पूर्व 6 मई 2008 को जल संरक्षण अभियान आरम्भ किया था और अप्रैल 2011 में 'जल स्टार अवॉर्ड' हरियाणा राज्य के लिए सम्मानित हुए थे और 'जिला प्रशासन, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, डायमंड ऑफ इंडिया अवॉर्ड, सोशल जस्टिस बैस्ट मैन अवॉर्ड, जैम ऑफ इंडिया अवॉर्ड, श्री चित्रगुप्त सम्मान 2017, राष्ट्र रत्न अवॉर्ड 2018, आउट स्टैंडिंग अवॉर्ड 2018, सारथी जल योद्धा सम्मान 2018, ग्रह रत्न अवॉर्ड 2018 से सम्मनित तथा भारत रत्न डॉ. अब्दुल कलाम राष्ट्र निर्माण अवॉर्ड 2018 के लिए चयनित, सिरसा गौरव अवॉर्ड 2019 से सम्मानित किए जा चुके हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर 400 से अधिक संस्थानों में प्रत्यक्ष सम्बोधन तथा निरन्तर रेडियो, टी.वी., अखबार आदि के माध्यम से लगभग एक करोड़ लोगों को जल संरक्षण सन्देश दे चुके हैं। भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर उनके जल ऊर्जा बचत अभियान को संज्ञान में लेते हुए अपनी मासिक पत्रिका 'जल चर्चा) में स्थान दिया है और उनके अभियान के विषय में दिसम्बर 2019 के अंक में आलेख प्रकाशित किया था।

पर्यावरण प्रेरणा संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा भारत विकास परिषद् की राष्ट्रीय सेवा समिति के सदस्य व राष्ट्रीय मंत्री पर्यावरण रहे श्री गोयल द्वारा रचित 'जल चालीसा' जिसकी अब तक 60 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं और लगभग 10 लाख लोगों को सोशल मिडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी हैं, को जल चर्चा के बाहरी टाईटल पृष्ठ पर प्रकाशित करके न केवल जल चालीसा को मान्यता प्रदान की है बल्कि उनका सम्मान भी बढ़ाया है। राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुकी 'जल चालीसा' जो जल संरक्षण का पूर्ण संदेश है, को अनेक समाचार पत्र व पत्रिकाओं ने प्रकाशित किया है। अन्तर्राष्ट्रीय न्यूज चैनल डीडी किसान ने अगस्त 2015 में इस पर विशेष फीचर प्रसारित किया था। जल चालीसा के विडियो का विमोचन ऊड़ीसा के राज्यपाल श्री गणेशी लाल ने किया था।

60 वर्ष की आयु में आरम्भ करके 2008 से यानी गत 12 वर्षों से श्री गोयल जल संरक्षण पर निरन्तर प्रयासरत हैं और जल बचत से स्वत: होने वाले बिजली बचत, धन बचत व विकास के बारे में भी प्रकाश डालते हुए प्रदूषण की रोकथाम, वृक्ष बचाने, स्वच्छता के लिए छोटे-छोटे उदाहरणों से समझाते हुए जल संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करते रहते हैं।

ध्यान रखना : कोरोना से बच सकते हो, जल की कमी से नहीं : गोयल

पल पल न्यूज: सिरसा, 23 मार्च। विश्व जल दिवस (22 मार्च) पर जल के सामाजिक सरोकार के विषय में बात करते हुए पर्यावरण प्रेरणा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भारत विकास परिषद के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री पर्यावरण जल स्टार रमेश गोयल ने कहा कि विश्वव्यापी जल संकट व भारत में बढ़ती जा रही पानी की कमी से आप भलीभांति परिचित हैं और यह जानते हुए भी कि जल के बिना जीवन सम्भव नहीं है अधिकांश लोग जल बर्बाद करते हैं। विशेष कर जहां पानी आसानी से उपलब्ध है। जल कमी की यदि स्थिति यूंही बढ़ती रही तो आप विश्वव्यापी रोग कोरोना से बचाव की तरह घर पर रहकर अपना बचाव नहीं कर सकेंगे और बाहर भी पानी मिलना मुश्किल ही नहीं असम्भव हो जायेगा। पानी किसी मिल या फैक्टरी में नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि केपटाउन (साऊथ अफ्रीका की राजधानी) में पानी पर राशन कार्ड लागू होना, आस्ट्रेलिया में पानी कमी के कारण 5 हजार ऊँटों को

गोली मारकर हत्या कर देना बहुत बड़ी चेतावनी है। लातूर और चेन्नई में रेल टैंकरों से पानी सप्लाई करने जैसी नौबत कब आपके शहर में आ जायेगी, आप चिंतन नहीं कर रहे और जब ऐसी स्थिति आ जायेगी तब आप कैसे होंगे और क्या करेंगे जरा कल्पना अवश्य करें। और उस कल्पना को ध्यान में रखते हुए जल का प्रयोग करें ताकि आपको और भावी पीढ़ी को जल की कमी के कारण असमय व अकारण जीवन से हाथ धोना (यानी मरना) न पड़े। कोरोना से घर पर रह कर बच सकते हैं पर जल की कमी से नहीं यह अवश्य ध्यान में रखें।

उन्होंने आग्रह पूर्वक कहा कि बार बार हाथ धोने का यह अर्थ न लें कि इसी काम पर लगे रहें। हाथ यदि गन्दे नहीं हुए और अपने कुछ किया ही नहीं तो साफ हाथों को धोने की अपील नहीं की जा रही है। जल का भी ध्यान रखें।

उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि अपने व अपने परिवार के साथ साथ समाज और देशहित का सदा और हर विषय में ध्यान अवश्य रखें। कोरोना को करो ना के अंदाज में उन्होंने इस प्रकार प्रस्तुत किया।

कोरोना करो ना
जीवन जीने के लिए पानी
बर्बाद करो ना ।
सुरक्षित भविष्य के लिए पानी
बर्बाद करो ना।।
पानी कमी दूर करने खातिर
जल संग्रहण करो ना।
वर्षा जल का लाभ उठाने
रिचार्ज करो ना।
तालाब कुएं बावड़ी में
वर्षाजल भरो ना।
जल कमी हो दूर ऐसे सारे
प्रयास करो ना।
अफवाहों से बचे रहो
गलत बात करो ना।
परहेज जागरूकता रखकर
कोरोना दूर करो ना।।

Ministry of Jal Shakti #StayHome #StaySafe
@MoJSDoWRRDGR

Enlighting poem by @MMswayambhu
Let's contribute our part to save nature and its resources.
#SaveWater #SaveNature #plant

Madhukar Swayambhu @MMswayambhu · May 12

Here's a poem written on the clear and present danger of Water Stress in the country, as Summers are just on the verge of beginning and the situation has started worsening in many parts of the country already.....
#EcologicalRestoration #Cownomics - is the solution!

2:19 PM · May 15, 2020 · TweetDeck

के लिए प्रदेश की पूरी टीम के साथ मिलकर कार्य करेंगे।

जल से नहीं, श्रद्धा व विश्वास से करें भगवान शिव को प्रसन्नः रमेश गोयल

मशीनीकरण व आधुनिकीकरण से प्रदूषण व तापमान बढ़ रहा है जिससे जलवायू परिर्वतन हो रहा है । इसी कारण वर्षा अनियमित हो रही है। कम होने के कारण नदियों में जल घटता जा रहा है। नदियों में पानी की कमी के कारण भूजल दोहन बढ़ता जा रहा है जिससे भूजल स्तर 200 से 400 फुट तक नीचे चला गया है। अनेक बार अति वर्षा बाढ़ व विनाश का कारण भी बनती है। श्रावण मास और उसमें शिवरात्रि पर्व पर जल का विशेष महत्व है क्योंकि पूरे मास शिवजी का जलाभिषेक किया जाता है। इतिहास साक्षी है कि शिवालय नदी या तालाब के किनारे ही स्थित होते थे और भगवान शिव को अर्पित जल नदी तालाब में चला जाता था जबकि अब वह जल, जिसे भक्तजन प्रसाद रुप में ग्रहण भी करते हैं, सीवर में चला जाता है। पूरे देश में कराड़ों लीटर प्रसाद रूपी पानी सीवर में चला जाता है। पर्यावरण प्रेरणा के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा भारत विकास परिषद के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री पर्यावरण जल स्टार रमेश गोयल ने शिवरात्रि की अग्रिम शुभकामनाओं के साथ शिव भक्तों से अपील की है कि पानी की कमी को ध्यान में रखते हुए श्रावण मास में प्रतिदिन और शिवरात्रि पर्व पर विशेष रूप से शिवलिंग पर बाल्टियां भर भर कर नहीं बल्कि केवल लोटा भर जल ही चढ़ाएं। अनेक कथाएं प्रचलित हैं कि महादेव मनोभाव व श्रद्धा से ही प्रसन्न होते हैं, जल की अधिक मात्रा से नहीं। अमरनाथ एक उदाहरण है जहां पर जल का प्रयोग होता ही नहीं है। कविता की इन पंक्तियों को ध्यान में रखकर पूजा करें कि

''पूजा और पूजापा प्रभुवर इसी पूजारिन को समझें।
दान दक्षिणा और न्यौछावर इसी भिखारिन को समझें''।

मन्दिरों के प्रबन्धकों को वाटर हारवैस्टिंग या रिचार्जर लगवाने चाहिएं ताकि भक्तों द्वारा शिवलिंग पर चढ़ाया गया शुद्ध जल सीवर में ना बहकर सीधा जमीन में चला जाए जो भूजल स्तर सुधारने में सहायक हो।शिव भक्तों से आग्रह है कि जल की बढ़ती कमी को ध्यान में रखते हुए चिन्तन करें और कम जल का प्रयोग करें ।शिवालयों को जल संरक्षण सिस्टम के साथ जोड़ें।

शिवरात्रि पर अखड 108 जलधारा के आयोजन न करें या एक ही धारा चलायें क्योंकि इससे एक दिन में एक एक मन्दिर में हजारों लीटर शुद्ध जल सीवर में चला जाता है और पूरे देश में लाखों मन्दिरों में सैंकड़ों करोड़ लीटर पानी, वह भी शिव प्रसाद, वर्तमान परिस्थितियों में सीवर में बहा देना बुद्धिमत्ता नहीं कही जा सकती है। आयोजन के समय कलश पूजा यानी वरुण देव, जो जल अधिपति (देवता) हैं, की पूजा करते हैं और फिर उसे सीवर में बहाते हैं। उन्होंने शिव भक्तों से क्षमा याचना के साथ निवेदन किया है कि कट्टरता नहीं विवेकपूर्ण चिंतन करें और स्वयं, परिवार, समाज व देश के भविष्य का भी ध्यान रखें। **-रमेश गोयल**

दिल्ली न्यूज़ 7
सबके साथ सबकी बात
नई दिल्ली, रविवार, 28 जून 2020

बिन पानी सब सून : रमेश गोयल

सिरसा (संवाददाता)।

गत् दिनों सिरसा के गांव मोचीवाला में पानी की सप्लाई में कमी के कारण ग्रामीणों ने रोड जाम कर दिया था। सिरसा शहर के जलघर में नहर बन्दी के कारण पानी की कमी हुई और पेयजल सप्लाई का समय घटाना पड़ा, जिसके कारण लोगों ने असहजता महसूस की परन्तु इस अवधि में और ऐसी स्थिति में भी अनेक लोग पानी बर्बाद करते रहे। पाइप लगाकर फर्श धोते रहे एवं छिड़काव करते रहे और विशेष बात यह रही कि जनता ही नहीं अधिकारियों की गाड़ियां भी पाइप लगाकर धुलती रही।

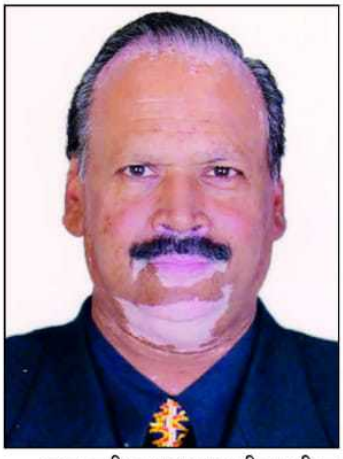

जल की इस अस्थायी कमी व पानी बर्बादी पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त जल स्टार रमेश गोयल ने कहा कि जल की निरन्तर बढ़ती कमी के मद्देनज़र हर व्यक्ति को पानी बर्बाद न करने का संकल्प करना होगा। यद्यपि मानसून आने वाला है और जगह-जगह पानी भरा होने के कारण लोगों को अन्य समस्याओं का भी सामना करना होगा। परन्तु वर्षा जल संग्रहण के विषय में आवश्यक कार्य नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा एक हजार वर्षा जल संग्रहण सिस्टम लगवाने की घोषणा सराहनीय है, परन्तु अधिकारी उसे कितनी संजीदगी से करते हैं, परिणाम उस पर निर्भर करता है।

'मेरा जल मेरी विरासत' योजना से भूजल दोहन में कमी आएगी, परन्तु जल की कमी का उपाय केवल और केवल वर्षा जल संग्रहण सिस्टम एवं वर्षा जल भण्डारन ही है क्योंकि प्रकृति प्रदत्त जल को किसी मिल या फैक्ट्री में नहीं बनाया जा सकता।

उन्होंने जनसामान्य से अपील की है कि भीषण गर्मी के इस समय में पानी की आवश्यकता और अधिक होने के कारण पानी की एक बूंद भी बर्बाद न करें और कोई दूसरा करता हो तो उसे भी समझाने का प्रयास करें वरना लातूर और चैन्नई की तरह पानी रेल टैंकरों सें मंगाना पड़ेगा और फिर भी न माने तो केपटाउन (साउथ अफ्रीका) की भांति पानी राशन में मिलने लगेगा।

दिल्ली न्यूज़ 7
सबके साथ सबकी बात

जल से नहीं, श्रद्धा व विश्वास से करें भगवान शिव को प्रसन्न : रमेश गोयल

नई दिल्ली (संवाददाता)।

मशीनीकरण व आधुनिकीकरण से प्रदूषण व तापमान बढ़ रहा है, जिससे जलवायु परिर्वतन हो रहा है। इसी कारण वर्षा अनियमित हो रही है। वर्षा कम होने के कारण नदियों में जल घटता जा रहा है। नदियों में पानी की कमी के कारण भूजल दोहन बढ़ता जा रहा है, जिससे भूजल स्तर 200 से 400 फुट तक नीचे चला गया है। अनेक बार अति वर्षा बाढ़ व विनाश का कारण भी बनती है। श्रावण मास और उसमें शिवरात्रि पर्व पर जल का विशेष महत्व है क्योंकि पूरे मास शिवजी का जलाभिषेक किया जाता है। इतिहास साक्षी है कि शिवालय नदी या तालाब के किनारे ही स्थित होते थे और भगवान शिव को अर्पित जल नदी तालाब में चला जाता था, जबकि अब वह जल, जिसे भक्तजन प्रसाद रूप में ग्रहण भी करते हैं, सीवर

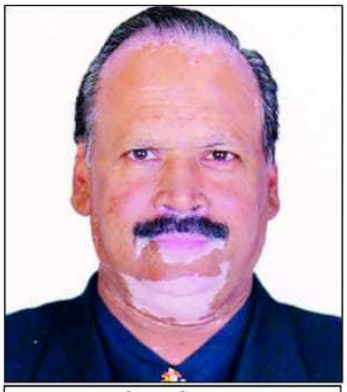

रमेश गोयल

में चला जाता है। पूरे देश में करोड़ों लीटर प्रसाद रूपी पानी सीवर में चला जाता है।

पर्यावरण प्रेरणा के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा भारत विकास परिषद् के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री पर्यावरण जल स्टार रमेश गोयल ने शिवरात्रि की अग्रिम शुभकामनाओं के साथ शिव भक्तों से अपील की है कि पानी की कमी को ध्यान में रखते हुए श्रावण मास में प्रतिदिन और शिवरात्रि पर्व पर विशेष रूप से शिवलिंग पर बाल्टियां भर-भर कर नहीं बल्कि केवल लोटा भर जल ही चढ़ाएं। अनेक कथाएं प्रचलित हैं कि महादेव मनोभाव व श्रद्धा से ही प्रसन्न होते हैं, जल की अधिक मात्रा से नहीं। अमरनाथ एक उदाहरण है, जहां पर जल का प्रयोग होता ही नहीं है। कविता की इन पंक्तियों को ध्यान में रखकर पूजा करें कि

पूजा और पुजापा प्रभुवर
इसी पुजारिन को समझें।
दान दक्षिणा और न्यौछावर
इसी भिखारिन को समझें।

मन्दिरों के प्रबंधकों को वाटर हारवैस्टिंग या रिचार्जर लगवाने चाहिए ताकि भक्तों द्वारा शिवलिंग पर चढ़ाया गया शुद्ध जल सीवर में न बहकर सीधा जमीन में चला जाए जो भूजल स्तर सुधारने में सहायक हो। शिव भक्तों से आग्रह है कि जल की बढ़ती कमी को ध्यान में रखते हुए चिंतन करें और अन्यथा न लें तथा कम जल का प्रयोग करें। शिवालयों को जल संरक्षण सिस्टम के साथ जोड़ें।

शिवरात्रि पर अखण्ड 108 जलधारा के आयोजन न करें या एक ही धारा चलायें क्योंकि इससे एक दिन में एक-एक मन्दिर में हजारों लीटर शुद्ध जल सीवर में चला जाता है और पूरे देश में लाखों मन्दिरों में सैंकड़ों करोड़ लीटर पानी, वह भी शिव प्रसाद, वर्तमान परिस्थितियों में सीवर में बहा देना बुद्धिमत्ता नहीं कही जा सकती है। आयोजन के समय कलश पूजा यानि वरुण देव, जो जलाधिपति (देवता) हैं, की पूजा करते हैं और फिर उसे सीवर में बहाते हैं। जलस्टार रमेश गोयल ने शिवभक्तों से क्षमा याचना के साथ निवेदन किया है कि कट्टरता नहीं विवेकपूर्ण चिंतन करें और स्वयं, परिवार, समाज व देश के भविष्य का भी ध्यान रखें।

जलस्टार ने संक्रमण के चलते लोगों से किया आग्रह

सिरसा 20 जुलाई (का.प्र.): शहर में जल बचाने के प्रति अलख जगाने वाले जलस्टार प्रतिष्ठित एवं सामाजिक कार्यकर्त्ता रमेश गोयल ने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए एक आमजन मानस से आग्रह किया है कि आने वाले त्योहार रक्षाबंधन के दिन भी जरूरी एहतियात बरतें। उन्होंने कहा कि सभी लोग परिवार की सभी बहन बेटियों को फोन कर संदेश प्रेषित करें कि वे इस बार राखी नही भेजें। हम अपने यहां राखी नहीं तो कलावा (मोली) बांध लेंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि बहन बेटियों का राखियां लेने बाजार जाना, राखियों की दुकान पर बिना मास्क व बिना सामाजिक दूरी का पालन करते हुए लोगो की भीड़ में जाना, कौरियर लेने वाले और अपने यहां कौरियर देने वाले को आने देना जो कितने लोगों के सम्पर्क में आया होगा, कई हाथों से पार्सल का गुजरना सभी कुछ सुरक्षा के लिए खतरनाक है। न जाने कौन हाथ संक्रमित हो। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार घर में सभी बहुओं से भी पीहर में यह संदेश करवा दिया जाए कि सुरक्षा के इस कारण से राखी की प्रतीक्षा नही करें।

गोयल ने अपील की है कि जो लोग बहन-बेटियों को राखी बांधने के लिए बाहर से अपने यहां बुला लेते या भाई बहिन के यहां दूसरे शहर राखी बंधवाने के लिए चले जाते थे वे भी कृपया इस बार ऐसा नहीं करें। उन्होंने कहा है कि यदि यह सुझाव आपको उचित लगे तो ऐसा स्वयं करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। परंपराओं व भावनाओं की तुलना में विवेक को महत्व दें और समय अनुकूल निर्णय करें।

हरियाणा को मिला वाटर हीरो

सिरसा। भारत सरकार जलशक्ति मन्त्रालय द्वारा जल संरक्षण क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए ''वाटर हीरो'' पुरस्कार योजना सितम्बर 2019 से जून 2020 तक मासिक स्तर पर चलाई गई जिसमें विजेताओं को ''वाटर हीरो' सम्मान के साथ साथ दस हजार रुपए की राशि भी प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में सिरसा हरियाणा से जल स्टार रमेश गोयल का नाम जून 2020 के गत दिवस घोषित परिणाम में चयनित हुआ है। देश भर से लगभग 60 व्यक्ति ''वाटर हीरो'' पुरस्कार विजेता हैं और यह अति महत्वपूर्ण है कि हरियाणा से श्री गोयल अकेले जल संरक्षण कार्यकर्ता हैं जो इस सम्मान के लिए चुने गए हैं।

दिल्लीन्यूज़7
सबके साथ सबकी बात

रविवार, 4 अक्टूबर 2020 ई-मेल : dillinews7editor@gmail.com www.dillinews7.in

विश्व नदी दिवस

नदियों को संरक्षित करने के लिए सब संकल्प करें।

रमेश गोयल (जल स्टार)

सुन लें जरा नदी की कल-कल
उसमें कभी भी न डालें मल।।
कि प्रदूषित नदियाँ गिन-गिन,
शुद्ध जल देती थीं जो प्रतिदिन।
नदियों में ना डालें मल,
बचाना होगा निश्चित जल।।

नाले हम नदियों में डालें,
गन्दा वातावरण हम ही पालें।
रखना होगा शुद्धित जल,
बचाना होगा निश्चित जल।।
कृष्ण ने कालिया नाग को मारा,
मीठा किया यमुना जल खारा।
हम क्यों उसमें डालें मल,
बचाना होगा निश्चित जल।।

नदियों में जब ना होगा जल,
कैसे स्नान करेंगे मल-मल।
टूंटी में नहीं मिलेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल।।
करोड़ों-अरबों खर्च करते हैं,
नदियां फिर गन्दी करते हैं।
बंद करो इनमें डालना मल,
बचाना होगा निश्चित जल।।

दिल्ली न्यूज़ 7
सबके साथ सबकी बात

शनिवार, 14 नवम्बर 2020 ई-मेल : dillinews7editor@gmail.com www.dillinews7.in

पटाखों पर रोक लगाकर हरियाणा सरकार ने लिया प्रशंसनीय निर्णय : रमेश गोयल (जल स्टार)

हरियाणा (संवाददाता)।

हरियाणा सरकार द्वारा दीपावली के इस अवसर पर प्रदूषण की रोकथाम के लिए पटाखों पर लगाए गए प्रतिबंध का अभिनंदन करते हुए प्रतिष्ठित पर्यावरणविद् एवं जल स्टार रमेश गोयल, जो भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय पर्यावरण मंत्री रहे हैं तथा पर्यावरण प्रेरणा संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, ने कहा कि सरकार ने उचित समय पर सही निर्णय लेकर लोगों को ध्वनि एवं वायु प्रदूषण से छुटकारा दिलाया है और प्रदेश के लाखों रोगियों को जो सांस के रोग से, कोरोना से या अन्य ऐसे रोगों से पीड़ित हैं, को बहुत राहत प्रदान की है। उन्होंने कहा कि पटाखा एक क्षणिक सुख प्रदान करता है, जो सीधे-सीधे नोटों को आग लगाने से मिलता है लेकिन साथ में पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए इतना अधिक

घातक है कि अनेक लोग वर्षों उसका दण्ड भुगतते हैं।

उन्होंने कहा कि पटाखों के शोर और प्रदूषण के कारण हर वर्ष एक दिन में करोड़ों पक्षी पूरे देश में मर जाते हैं। आंकड़ों के अनुसार अब तक प्रदूषण व तापमान के कारण 70 प्रतिशत पक्षी मर चुके हैं। उन्होंने देशवासियों से प्रांतवासियों से निवेदन किया है कि इसे धार्मिकता या अन्य किसी विषय से जोड़ने की बजाय स्वास्थ्य से और पर्यावरण से जोड़कर ही देखें तथा अपने-अपने परिजनों एवं ईष्ट मित्रों के हित में समझकर पूर्णरुपेण पालन करें बल्कि संकल्प करें कि पटाखा कभी भी अपने जीवन में नहीं बजाएंगे, नहीं चलाएंगे और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करेंगे।

श्री गोयल ने दिल्ली सरकार का भी आभार व्यक्त किया है कि उन्होंने पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने में पहल की। साथ ही केन्द्र सरकार से प्रधानमंत्री मोदी जी से अनुरोध किया है कि एक अध्यादेश के द्वारा पूरे देश में पटाखों की बिक्री पर, उन्हें चलाने पर रोक लगाई जाये। जिन प्रांतों में कोरोना का अधिक प्रकोप रहा है या अभी भी है, उन सभी प्रांतों को भी दिल्ली और हरियाणा का अनुसरण करना चाहिए और पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध अविलम्ब लगाना चाहिए।

वैश्य आभा

सामाजिक एवं राजनैतिक चेतना की संवाहक मा. पत्रिका

वाटर हीरो के नाम से अपनी पहचान कायम कर चुके हरियाणा के ख्यातिनाम जल संरक्षण कार्यकर्ता

श्री रमेश गोयल जी को

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

सिरसा के प्रतिष्ठित आयकर व्यवसायी रमेश गोयल जिला प्रशासन व हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अतिरिक्त जल स्टार अवार्ड, डायमंड ऑफ इंडिया अवार्ड, सोशल जस्टिस बेस्ट मैन अवार्ड, जैम ऑफ इण्डिया अवार्ड, श्री चित्रगुप्त सम्मान, राष्ट्र रत्न अवार्ड, आउटस्टैंडिंग अवार्ड, सारथी जल योद्धा सम्मान, अग्र रत्न अवार्ड जैसे कई कीर्तिमान अपने नाम कर अग्रवाल समाज का ही नहीं अपितु अपने जल संरक्षण की इस अनूठी मुहिम के चलते प्रत्येक हरियाणा वासी के लिए एक मिसाल कायम की है। जल संरक्षण को अपने जीवन का अहम हिस्सा बना चुके रमेश गोयल जल बचेगा तो जीवन बचेगा के नारे के साथ जल संरक्षण की अलख वर्ष 2008 से निरंतर जलाए हुए हैं एवं वर्तमान में भी निरंतर इस कार्य में प्रगति की ओर अग्रसर हैं। जल संरक्षण्र की इस मुहिम को प्रभावशाली रूप देते हुए श्री रमेश गोयल ने बिन पानी सब सून और जल चालीसा जैसी पुस्तकों को अपनी लेखनी के माध्यम से घर घर में जल संरक्षण के इस अति आवश्यक एवं प्रेरणाादायक समाज के उत्थान के कार्य को पहुंचाने का प्रयास किया है। बीए बी कॉम एंव एलएलबी शिक्षा प्राप्त श्री गोयल ने भारत विकास परिषद में राष्ट्रीय सचिव के पद को भी सुशोभित किया है। जल संरक्षण के साथ साथ आप समय समय पर समाज सरोकारों में भी अपना मागर्दशन प्रदान करते रहते हैं।

वैश्य आभा पत्रिका परिवार आपको एवं आपके समूचे परिवार को जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आपके स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना करता है।

महेश गुप्ता
प्रधान सम्पादक
8000948490

ों के माध्यम से हिंदी साहित्य को किया समृद्ध

हिंदी में काम करने वाले अधिवक्ता के रूप में बनाई अलग पहचान

जागरण संवाददाता, सिरसा : सिरसा निवासी वरिष्ठ आयकर अधिवक्ता रमेश गोयल पिछले 45 साल से अपना अधिकतर कार्य हिंदी में कर रहे हैं। ट्रस्ट डीड हो अथवा साझेदारी प्रलेख या अन्य दस्तावेज सभी को हिंदी में करने की प्राथमिकता देते हैं। आयकर व बिक्रीकर विभाग के अधिकारियों में हिन्दी में काम करने वाले वकील के नाम से एक अलग पहचान रही है। 14 सितंबर 2019 को गुरुग्राम में आयोजित प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन में प. फूलचंद सुमन स्मृति ट्रस्ट द्वारा उन्हें हिंदी सेवी सम्मान प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। वर्तमान में गोयल जल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। जल संरक्षण का संदेश देने के लिए उन्होंने जल मनका व जल चालीसा लिखी है।

72 वर्षीय रमेश गोयल को जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार ने सितंबर 2020 में ही वाटर हीरो सम्मान से पुरस्कृत किया है। गोयल आयकर विवरणी व बिक्रीकर वैट का सब कार्य हिन्दी में करते हैं। आयकर अपीलीय अधिकरण, चंडीगढ़ व बिक्रीकर अधिकरण हरियाणा द्वितीय अपील अथॉरिटी को हिंदी में अपील भेजने वाले देशभर में एक मात्र व्यवसायी गोयल फरवरी 1992 में स्थापित हरियाणा बिक्रीकर बार एसोसिएशन की संविधान समिति के चेयरमैन बने। संस्था का संविधान हिन्दी में बनाया जिसे सदस्यों के अनुरोध पर बाद में अंग्रेजी में अनुवाद किया गया। रमेश गोयल प्रांतीय व राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं। जिस संस्था में भी सक्रिय रहे हैं उसका काम यदि पहले अंग्रेजी में होता था तो उसे हिंदी भाषा में परिवर्तित कर दिया।

1978 में सुषमा स्वराज की अध्यक्षता में गठित हरियाणा प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी में संयुक्त महामंत्री का दायित्व संभाला। गोयल को 1983 में अध्यक्ष फूलचंद सुमन द्वारा सम्मेलन का प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। सिरसा शाखा द्वारा 1982 में रमेश गोयल की प्रधानता में एक अनियतकालीन पत्रिका साहित्यिकी का प्रकाशन शुरू किया गया। उन्हें हरियाणा प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन सिरसा द्वारा 14 सितंबर 1985 को सम्मानित किया गया। प्रादेशिक स्तर पर सिरसा शाखा को 1977-78 व 1982-83 सम्मानित किया गया। पहली बार वे शाखा सचिव व दूसरी बार शाखा प्रधान थे। सम्मेलन द्वारा 1980 में 10 हजार स्टीकर आप भारतीय हैं हिन्दी अपनाइए व हिन्दी अपनाए मत शरमाइये तैयार करवाए थे।

एडवोकेट रमेश गोयल। ● स्वयं के सौजन्य से

'बिन पानी सब सून' पुस्तक हुई प्रकाशित

रमेश गोयल ने लिखित लघु कथाएं, कविताएं, लेख इत्यादि के माध्यम से हिंदी साहित्य को समृद्ध किया। 2010 में 'बिन पानी सब सून' पुस्तक प्रकाशित हुई, जिसका विमोचन हरियाणा के राज्यपाल द्वारा 10 मई 2010 को किया गया। 2012 में जल संरक्षण निमित जल चालीसा की रचना का विमोचन मुख्यमंत्री द्वारा अप्रैल 2012 में किया गया। इसकी अब तक 60 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी है व इंटरनेट मीडिया पर भी खूब वायरल रही हैं। 2017 में एफिल टावर वाया स्विस विदेश यात्रा हरियाणा साहित्य अकादमी के सहयोग से प्रकाशित हुई है। क्यों और कैसे बचाएं जल पुस्तक प्रकाशन अधीन है। कोरोना काल में जल संरक्षण के हर पहलू को छूते हुए 108 चौपाइयों का एक जल मनका लिखा है जिसकी हर चौपाई बोलती है निश्चित बचाना होगा जल।

हिंदी दिवस पर विशेष